हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 299, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 23 अप्रैल, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की दी बधाई

यह पावन पर्व हर किसी के जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती के अवसर पर समस्त देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट कर कहा,"अक्षय तृतीया की बहुत-बहुत बधाई। मेरी कामना है कि दान-पुण्य और मांगलिक कार्य के शुभारंभ की परंपरा से जुड़ा यह पावन पर्व हर किसी के जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए"। एक अन्य ट्वीट में पीएम मोदी ने कहा, "आप सभी को भगवान परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि उनकी कृपा से हर किसी का जीवन साहस, विद्या और विवेक से परिपूर्ण हो"। परशुराम जयंती को अक्षय तृतीया के रूप में भी मनाया जाता है, यह भगवान परशुराम के जन्म के दिन का प्रतीक है। भगवान विष्णु के छठे अवतार, भगवान परशुराम क्षत्रियों की बर्बरता से बचाने के लिए पृथ्वी पर अवतरित हुए थे। इस दिन को देश के अधिकांश हिस्सों में परशुराम जयंती के रूप में मनाया जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, परशुराम जयंती

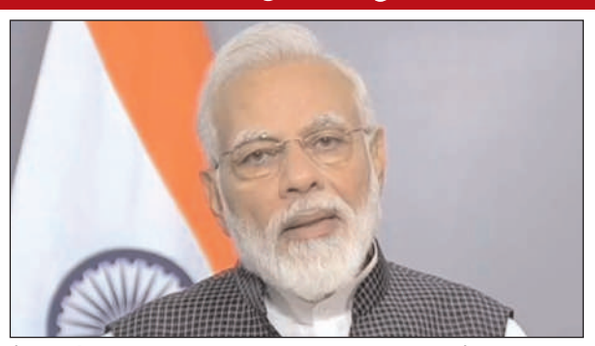

वैशाख में शुक्ल पक्ष की तृतीया (तीसरे दिन) पर मनाई जाती है। वहीं, ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार यह दिन अप्रैल या मई में पड़ता है। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं और जैन धर्म के लोगों के द्वारा मनाए जाने वाला सबसे शुभ दिनों में से एक है। अक्षय तृतीया यह दिन सौभाग्य और सफलता का प्रतीक है। अक्षय तृतीया का पर्व प्रार्थना, दान और आध्यात्मिकता के साथ मनाया जाता है। वहीं इस दिन नया व्यवसाय शुरू करने, निवेश करने, सोना और अचल संपत्ति खरीदने के लिए यह दिन अत्यधिक भाग्यशाली माना जाता है। संस्कृत में, 'अक्षय' शब्द का अर्थ है 'कभी कम न होने वाला'। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन से शुरू होने वाली चीजें अपने रास्ते में कम बाधाओं के साथ हमेशा के लिए बढ़ती हैं और इस दिन अच्छे कर्म करने से अनंत सफलता और भाग्य की प्राप्ति होती है। उत्तर भारत से लेकर बंगाल और पंजाब से लेकर उड़ीसा तक अक्षय तृतीया को मनाने का अलग रिवाज और परंपरा है। पंजाब के लोग इस दिन धरती मां से अपनी अच्छी फसल की कामना करते हैं, वहीं बंगाल में लोग इस दिन लक्ष्मी-गणेश भगवान की पूजा कर अपने अच्छे जीवन की मनोकामना करते हैं। वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर में ठाकुर जी के चरणों के दर्शन सिर्फ अक्षय तृतीया के दिन ही कराए जाते हैं।

पीएम ने दी ईद-उल-फितर की बधाई, की बेहतर स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ईद-उल-फितर के मौके पर देश को बधाई दी और लोगों के स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने ट्वीट करते हुए सभी को बधाई दी। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा, "ईद-उल-फितर की बधाई। हमारे समाज में सद्भाव और करुणा की भावना को आगे बढ़ाया जाए। मैं सभी के बेहतर स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करता हूं। ईद मुबारक!" इस बीच देश भर से नमाज अदा करने वालों की खूबसूरत झलक सामने आ रही हैं। ईद-उल-फितर के मौके पर दिल्ली की जामा मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद लोग एक-दूसरे के गले मिले। नमाज अदा करने आए एक शख्स ने समाचार एजेंसी से कहा, "मैं ईद के मौके पर पूरे देश को शुभकामनाएं देता हूं। 30 दिनों के उपवास के बाद यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवसर है। हम बेहद खुश हैं और यहां सुबह की नमाज के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। आज हमारे घरों में ईद के मौके पर लजीज खाने की चीजें बनेंगी।"

'मैं जान देने को तैयार लेकिन देश का बंटवारा नहीं होने दूंगी', ईद के मौके पर बोलीं ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि देश को बांटने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि वह जान दे देंगी लेकिन देश का बंटवारा नहीं होने देंगी। ममता बनर्जी ने इस दौरान बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधा। ममता बनर्जी कोलकाता में रेड रोड पर ईद की नमाज के लिए इकट्ठा हुए लोगों को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि 'हम बंगाल में शांति चाहते हैं, हम दंगे नहीं चाहते। हम नहीं चाहते कि देश का बंटवारा हो, जो देश का बंटवारा चाहते हैं, उन्हें मैं ईद के मौके पर वादा करना चाहती हूं कि मैं अपनी जान देने को तैयार हूं लेकिन देश का बंटवारा नहीं होने दूंगी।' ममता बनर्जी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि 'शांति बनाए रखें और किसी की बात ना सुनें। एक 'गद्दार पार्टी' है, जिससे हमें लड़ना है। सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के गलत इस्तेमाल का आरोप लग रहा है। ममता बनर्जी ने भी इसे लेकर कहा कि मुझे जांच एजेंसियों से भी लड़ना है क्योंकि मुझमें हिम्मत है लेकिन मैं झुकने को तैयार नहीं हूं।' ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में भाजपा पर तीखा हमला बोला। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि 'कुछ लोग भाजपा से पैसे लेते हैं और कहते हैं कि वह मुस्लिम वोटबैंक को बांट देंगे, मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि उनमें हिम्मत नहीं है कि वह मुस्लिम वोटबैंक का बंटवारा कर दें।

राहुल गांधी ने खाली किया अपना आधिकारिक आवास

थरूर बोले- यह नियमों के प्रति उनका सम्मान दिखाता है

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सांसद के तौर पर मिला अपना आधिकारिक आवास खाली कर दिया है। उनके इस कदम की कांग्रेस नेता शशि थरूर ने तारीफ की है। थरूर ने कहा कि राहुल का ये कदम अनुकरणीय है। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मोदी सरनेम मामले में दोषी करार देते हुए कोर्ट ने उन्हें लोकसभा सांसद के रूप में अयोग्य करार दिया था। सदस्यता जाने के बाद उन्हें सरकारी बंगले भी खाली करने को कहा गया, जिसकी आखिरी तारीख 22 अप्रैल थी। इसी आदेश को मानते हुए राहुल गांधी ने 22 अप्रैल शनिवार को 12, तुगलक लेन स्थित अपना सरकारी बंगला खाली कर दिया। फिलहाल वो अपनी मां सोनिया गांधी के साथ रह रहे हैं और नए आवास की तलाश में है। राहुल शनिवार को सार्वजनिक अवकाश होने की वजह से लोकसभा सचिवालय में अपनी चाबियां नहीं सौंप पाए। इससे पहले शुक्रवार को वह बंगले से अपना सामान शिफ्ट करते हुए भी दिखे थे। राहुल गांधी के सरकारी बंगला खाली करने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्वीट पर लिखा- "राहुल गांधी ने लोकसभा के आदेश पर तुगलक लेन में स्थित अपने सरकारी बंगले को खाली कर चुके हैं। अदालत ने उन्हें अपील के लिए 30 दिन का समय दिया था। एचसी या एसीसी उन्हें पुनः बहाल कर सकती है, लेकिन उनका बंगला छोड़ने का निर्णय, नियमों के प्रति उनके सम्मान को दशार्ता है।" लोकसभा सचिवालय को लिखे अपने पत्र में बंगला खाली पर राहुल गांधी सहमति जताते हुए लिखा- "पिछले चार बार से लोकसभा के निर्वाचित सदस्य के तौर पर यहां बिताए अपने समय की सुखद यादों के लिए एहसानमंद हूं। अपने अधिकारों के प्रति पक्षपात के बिना मैं निश्चित रूप से आपके पत्र किए विवरण का पालन करूंगा।" बता दें कि राहुल गांधी केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र के सांसद रह चुके हैं। सुरत कोर्ट ने 23 मार्च को उन्हें मानहानि मामले पर दो साल की सजा सुनाई थी और उनकी लोक सभा सदस्यता भी रद्द कर दी गई थी। उन्होंने कोर्ट के फैसले को चुनौती भी दी लेकिन कोर्ट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था।

शाह ने बताया, कर्नाटक में क्यों खत्म किया मुस्लिमों को चार फीसदी आरक्षण

नई दिल्ली। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव नजदीक है। ऐसे में विभिन्न दलों के नेताओं के बीच जुबानी जंग भी तेज हो गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस पर हमला बोला। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने असंवैधानिक तरीके से मुस्लिमों को चार फीसदी आरक्षण दिया था, लेकिन भाजपा ने इस प्रथा को खत्म कर दिया। एक समाचार चैनल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि भाजपा ने राजनीति में विशेष फायदे के लिए इस्तेमाल हो रहे 'खास पक्ष' को खत्म कर दिया और योग्य व्यक्तियों को आरक्षण के अधिकार दिए। शाह ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि संविधान धर्म के आधार पर किसी को आरक्षण देने की अनुमति नहीं देता। कार्यक्रम में शाह ने कहा, "जहां तक सामाजिक दृष्टिकोण से न्याय का संबंध है। कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में असंवैधानिक तरीके से

4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण दिया था। यह असंवैधानिक है, क्योंकि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को मंजूरी नहीं देता है।" शाह ने बताया कि बीजेपी सरकार ने मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर दिया है। सरकार ने एससी, एसटी, वोक्कालिगा और लिंगायत के आरक्षण को बढ़ा दिया है। हमने राजनीतिक लाभ के लिए विशेष पक्ष को समाप्त कर दिया है। हमने योग्य लोगों को अधिकार दिया है। बता दें कि बीते महीने कर्नाटक की बीजेपी सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर दिया था। सरकार ने इसे दो प्रमुख समुदायों के मौजूदा कोटे में जोड़ने का फैसला लिया था। फैसले के तहत ओबीसी श्रेणी के 2बी वर्गीकरण के तहत मुसलमानों को दिए गए 4 प्रतिशत आरक्षण को अब दो समान भागों में विभाजित किया जाएगा और वोक्कालिगा और लिंगायत के मौजूदा कोटे में जोड़ा जाएगा।

आज नौकरियों में भाई-भतीजावाद नहीं पारदर्शी चयन होता है : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश अपनी विशेषता के साथ संभावनाओं के लिए भी जाना जाता है। आज उत्तर प्रदेश माफिया के गठजोड़ नहीं बल्कि महोत्सव प्रदेश के रूप में जाना जाता है। जब पीएम मोदी ने देश का नेतृत्व संभाला तो यूपी में भी छटपटाहट हुई। छह साल में यहां भी बदलाव आया है। राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्षों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, चयन बोर्ड, पुलिस भर्ती की परीक्षा में शिकायत और सैकड़ों केस थे। पुलिस विभाग में डेढ़ लाख पद खाली थे। भर्तियों में भाई-भतीजावाद और जातिवाद था। उन्होंने कहा कि यह सारा खेल सामाजिक न्याय का मुखौटा लगाकर किया जाता था। हमने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया। इसमें भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। अच्छे अधिकारी तैनात किए। छह साल में 1.64 लाख

पुलिसकर्मियों की भर्ती की जिसमें सभी 75 जिलों को प्रतिनिधित्व मिला है। प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरे देश के लिए नजीर बनी है। आज प्रदेश में कोई दंगा नहीं होता है। आज ईद है। ईद की नमाज सड़क पर नहीं ईदगाह में पढ़ी जा रही है। कानून का राज सबके लिए समान है।

ईद के मौके पर लखनऊ ईदगाह में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के साथ नजर आए अखिलेश यादव

लखनऊ। ईद के मौके पर शनिवार सुबह ईदगाह में हजारों की संख्या में लोगों ने नमाज पढ़ी। पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सभी को मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में मुस्लिम भाई-बहनों के जीवन स्तर को सुधारने और उसमें बदलाव लाने के लिए योगी सरकार पूरी इमानदारी के साथ काम कर रही है। ईद हिंदू-मुस्लिम भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब का त्योहार है। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रयागराज की घटना की जांच जारी है। योगी सरकार जनता के लिए पूरी इमानदारी के साथ काम कर रही है। इस दौरान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी, मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, सपा की मेयर प्रत्याशी डा. वंदना मिश्रा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ब्रजलाल खाबरी व अन्य लोग मौजूद रहें। सभी ने अमन चैन के साथ त्योहार मनाने की अपील की। सभी ने सिवइयां खाई। एक दूसरे के गले

लगकर ईद की बधाई दी। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में ईद की नमाज हुई। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने तकरीर पढ़ी। ईदगाह कमेटी की ओर से सिवइयों, शरबत और तमाम व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी। इस दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से पत्रकारों ने अतीक-अशरफ शूटआउट के बाद अलकायदा की धमकी पर सवाल किया। इस पर उन्होंने कहा कि यह सवाल अधिकारियों और सरकार से पूछे। त्योहार के दिन अधिक्तर दिल्ली और नोएडा से भी यह सवाल उठते हैं। इस पर सरकार और अधिकारी ही अच्छा जवाब देंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए। जातिगत जनगणना से ही रामराज्य आएगा। तभी देश और प्रदेश का विकास हो सकता है। आज के माहौल में लोग डरे हुए हैं। बेरोजगारी चरम पर है। किसान को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए वह नहीं मिल रही हैं। अखिलेश ने सभी को ईद की बधाई देते हुए कहा कि सभी को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। सभी को ईद की मुबारकबाद दी।

'टीवी के श्रीराम' ने किए रामलला के दर्शन, बोले - राम मंदिर आंदोलन में रही रामायण धारावाहिक की भूमिका

लखनऊ। 90 के दशक के धारावाहिक रामायण में भगवान श्रीराम का किरदार निभाने वाले फिल्म अभिनेता अरुण गोविल शनिवार को रामलला के दरबार पहुंचे तो भावुक हो उठे। रामलला का दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अरुण गोविल ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन में रामायण धारावाहिक की भी अहम भूमिका रही। धारावाहिक के जरिए भगवान श्रीराम की महिमा को पूरे विश्व में स्वीकार किया गया जो मंदिर आंदोलन का आधार भी बना। उन्होंने कहा कि बहुत समय से इच्छा थी कि अयोध्या के रामलला का दर्शन किया जाए अयोध्या हमारे धर्म संस्कृति का केंद्र बिंदु है यहां आना निश्चित रूप से सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि रामायण का एक-एक शब्द, दोहा और चौपाई अमृत के समान है। इसको जितनी बार पढ़िए हर बार इसके अलग-अलग अर्थ निकलते हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने हर वर्ग को गले लगाया उसके पीछे यही संदेश था कि समाज में सबकी सहभागिता होती है। आज जो राम मंदिर का निर्माण हो रहा है इसके पीछे 500 सालों का संघर्ष है। लाखों लोगों का बलिदान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरीके से मंदिर निर्माण को अपने हाथों में

लिया है और इसको प्रमुखता दी है इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। रामचरितमानस व हनुमान चालीसा को लेकर विवाद खड़ा करने वालों पर उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपने आप को लाइमलाइट में लाने के लिए ऐसा करते हैं। बताया कि वे अयोध्या पर आधारित फिल्म की शूटिंग के लिए अयोध्या आए हैं।

अतीक-अशरफ के शूटरों ने होटल में छिपाया था मोबाइल, एसआइटी ने किया बरामद

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या करने वाले शूटरों ने एक होटल के कमरे में मोबाइल छिपा कर रखा था। कड़ाई से पूछताछ में अभियुक्तों ने मोबाइल के बारे में बताया तो विशेष जांच दल (एसआइटी) ने होटल के कमरे से दो मोबाइल बरामद कर लिया। मगर दोनों मोबाइल में सिम नहीं मिला। एसआइटी को पुराने मोबाइल नंबर भी हाथ लगे हैं, जिसकी काल डिटेल रिपोर्ट (सीडीआर) निकलवाई जा रही है। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाया जाएगा। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शूटर लवलेश तिवारी, सुमित उर्फ सनी सिंह और अरुण मौर्या हत्या के बाद मौके पर ही दबोच लिया था। पुलिस ने उस वक्त पूछताछ की थी। तब तीनों ने बताया था कि वह प्रयागराज पहुंचकर रेलवे स्टेशन के बाहर मिले थे। एक लाज में कमरा लेने के लिए गए लेकिन वहां नहीं मिला। इस पर उन्होंने रेलवे स्टेशन व बस अड्डे पर रात गुजारी थी। मोबाइल के बारे में भी कुछ नहीं बताया था। मगर जब एसआइटी ने तीनों को पुलिस

कस्टडी रिमांड (पीसीआर) पर लेकर पूछताछ की तो सनी ने गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन कड़ाई से पूछताछ में कई राज उगल दिए। लवलेश और सनी ने बताया कि वह रेलवे स्टेशन और खुल्दाबाद थाने के बीच में स्थित एक होटल के कमरे में ठहरे थे। तीनों ने प्लान के मुताबिक अपना-अपना सिम मोबाइल से निकालकर फेंक दिया था। यह भी तय किया गया था कि अतीक व अशरफ की हत्या के बाद वह होटल के कमरे से मोबाइल सहित अन्य सामान लेकर निकल जाएंगे। इसके बाद नया सिम खरीदकर उपयोग करेंगे, ताकि पुलिस की गिरफ्त से दूर रहते। उन्होंने एक शख्स से बाइक के लिए मदद मांगी थी, लेकिन नहीं मिली थी, जिसके बाद ई-रिक्शा से माफिया और उसके भाई की रेकी करने जाते थे। सूत्रों का कहना है कि अभियुक्तों से पूछताछ में उनके मोबाइल नंबर मिले हैं, जिसके जरिए वह आपस में संपर्क करते थे। अब पुलिस टीम उन मोबाइल नंबर की काल डिटेल रिपोर्ट के आधार पर शूटरों के साथियों, सहयोगियों सहित अन्य लोगों के बारे में पता लगाकर शिकंजा कसेगी।

बाइक से गिरी महिला को बस ने कुचला मायके से पति संग लौट रही थी घर, मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ में जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नवोदय विद्यालय के पास आजमगढ़-गोरखपुर मार्ग पर शुक्रवार की देर रात बाइक से गिरी महिला को रोडवेज बस ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहा पति घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। वहीं घायल पति को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर कोतवाली के बलरामपुर की रहने वाली सरस्वती सोनी (30) अपने मायके मऊ जिले के दोहरीघाट गई हुई थी। शुक्रवार की रात वह पति बलराम सोनी के साथ बाइक पर बैठ कर वापस घर लौट रही थी। अभी पति-पत्नी जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र में आजमगढ़-गोरखपुर मार्ग पर नवोदय विद्यालय के पास पहुंचे थे। इसी दौरान बाइक एक ठेले से टकरा गई। जिससे पीछे बैठी सरस्वती सड़क पर गिर पड़ी। इसी दौरान रोडवेज की बस ने उसे कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पति बलराम भी घायल हो गया। सूचना पर जीयनपुर कोतवाली पुलिस

मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज कर भर्ती करवाया। वहीं मृतका सरस्वती के शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेजवा दिया। मृतका एक पुत्र की मां थी। घटना की सूचना घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया है।

संपादकीय

अमीरों और गरीबों के लिये बैंकों के दोहरे नियम

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 4 साल के बैंकों के आंकड़े जारी किए हैं। पिछले 4 सालों में रिजर्व बैंक के अनुसार 6 लाख करोड़ रुपए की धोखाधड़ी बैंकों से हुई है। इनमें से 50 फीसदी धोखाधड़ी के मामले 50 करोड़ रुपए से अधिक ऋण लेने वाले करोबारियों के हैं। बैंक की राशि लूटने वाले यह छोटे-मोटे लोग नहीं है। रिजर्व बैंक के अनुसार बड़े-बड़े उद्योगपति और पूंजीपति हैं। जो बैंक के अधिकारियों से सांठगांठ करके कागजों पर प्रोजेक्ट बनाकर उद्योग एवं कारोबार के नाम पर लोन लेते हैं, उसके बाद लोन नहीं चुकाते जाते हैं। वर्तमान केंद्र सरकार हमेशा यह आरोप लगाती है, कि मनमोहन सिंह सरकार के समय लोन दिए गए थे। वह पैसा वसूल नहीं हो पाया। उद्योगपति डिफाल्टर हो गए, अथवा भाग गए हैं। लेकिन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले 4 वर्षों की जो जानकारी दी है। वह सरकार के दावों को गलत बता रही है। 2017 से 2022 के बीच बैंकों का एनपीए बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपए हो गया। भारत के बैंकों ने यह राशि डुबंत खाते में डाल दी है। यह राशी हर साल बढ़ती ही जा रही है। 2018-19 के वर्ष में सार्वजनिक बैंकों ने 2.36 लाख करोड़ रुपए डूबँत खाते में डाले हैं। जो पिछले 4 वर्षों का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। यह वही साल था, जब नोट बंदी के कारण भारत की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से डगमगा गई थी। नोटबंदी के बाद से उद्योगपतियों ने बड़े सुनियोजित तरीके से बैंकों को लूटने का कुचक्र रचा। साल दर साल बैंक से कर्जा लेते रहे। उसके बाद या तो कंपनी को दिवालिया घोषित कर दिया, या भारत छोड़कर भाग गए। पिछले 4 वर्षों में इन्हीं उद्योगपतियों के परिवार की कोई ना कोई एक सदस्य या परिवार के सभी सदस्य देश छोड़कर विदेशी नागरिकता लेकर विदेशों में नागरिक बन गये। उसके बाद एफडीआई के माध्यम से नया गोरख धंधा शुरू कर दिया। भारतीय शेयर बाजार मैं निवेश और मुनाफावसूली कर सुनियोजित रूप से धोखाधड़ी कर रहे हैं। विदेशी निवेश और भारत से निर्यात-आयत के कारोबार में जुड़कर सामान की बिलिंग में गड़बड़ी करके बड़े पैमाने पर काले धन को सफेद धन बनाकर, धन कमाने का सबसे बढ़िया जरिया शेयर बाजार को बना लिया है। अटैची कंपनियां बनाकर यह धंधा बड़ी जोरों के साथ चल रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल के मुकाबले मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल के कार्यकाल में, बैंकों का एनपीए 10 गुना ज्यादा बढ़ा है। बैंकों का फ्रॉड भी बढ़ा है। इसके बाद भी वर्तमान सरकार हमेशा मनमोहन सिंह सरकार के ऊपर पर्चा फाड़कर अपने आप को बचाने और घोटाले को दबाने का प्रयास करती है। रिजर्व बैंक द्वारा जारी 4 साल के आंकड़ों ने स्थिति को सार्वजनिक कर दिया है। बैंकों से जो फ्रॉड हुआ है, जो राशि एनपीए में डूब गई है। वह भारत के बजट का 20 से 22 फीसदी होता है। इतने बड़े पैमाने पर इतना बड़ा आर्थिक घोटाला, आगे की वर्षों में हमें कहां ले जाएगा। यह सभी को सोचना होगा। सरकार जो दावे करती है। वह असलियत से बहुत दूर हैं। हाल ही में जब सुप्रीम कोर्ट ने सेना को वन पेंशन वन रैंक के भुगतान की अदायगी करने के लिए कहा। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा कि वह एकमुश्त पेंशन देने की आर्थिक स्थिति में नहीं है। वित्त मंत्रालय ने आर्थिक स्थिति की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट को अपने आदेश को संशोधित कर, चार किस्तों में पेंशन का भुगतान किए जाने के संशोधित आदेश जारी करना पडा। केंद्र सरकार जो बोलती है,उसके ठीक विपरीत आंकड़े रिजर्व बैंक ने पेश किए हैं। इनको ज्यादा दिन तक छुपाए रखना संभव नहीं है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि देश के बैंकों से जो धोखाधड़ी हुई है। कर्ज नहीं चुकाने वालों की जो एनपीए की राशि है। उसमें 86 फीसदी बड़े बड़े पूंजीपतियों का बकाया है। बड़े कर्जदारों के लिये बैंकों के अलग कानून हैं। छोटे लोन वालों से कुर्की-डिग्री करके तथा समाचार पत्रों के माध्यम से नोटिस जारी कर वसूली करते हैं। बड़े कर्जदारों के नाम भी नहीं बताते हैं। मात्र 14 फीसदी कर्ज सामान्य कर्जदारों का है। जिसमें किसान छोटे छोटे व्यापारी एवं व्यक्तिगत ऋण लेने वाले लोग हैं।

है खबर ये आई !

बनेगी उस पर फिल्म ।
है खबर ये आई ।।
दाव लगाने खातिर ।
ले रहे अंगड़ाई ।।
है इसका बाजार ।।
देना इस पर ध्यान ।।
इसको अब भुनाना ।
ले रहे भी ज्ञान ।।
आ धमके कुछ क्षेत्र में ।
मनन और शोध ।।
मिलेगी पूरी छूट ।
होगा ना विरोध ?
है सबको अधिकार ।
पिक्चर वो बनाए ।।
बढ़ रही यदि मांग तो ।
पर्दे पर ले आए ।।

–कृष्णेन्द्र राय

दलबदलुओं के लिये विचारधारा नहीं राजनैतिक कैरियर महत्वपूर्ण

कर्नाटक में राज्य विधानसभा हेतु 10 मई को चुनाव होने निर्धारित हैं। पूरे राज्य में एक ही चरण में होने वाले चुनाव की मतगणना 13 मई को होनी तय है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षण से फिलहाल यही पता चल रहा है कि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को सत्ता में वापसी के लिये कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस के पक्ष में भी सकारात्मक माहौल बनता दिखाई दे रहा है। भाजपा के विरुद्ध जहाँ सत्ता विरोधी रुझान है वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का कर्नाटक के बड़े क्षेत्र से होकर गुजरना,तथा राहुल गांधी की संसद से बर्खास्तगी के बाद राज्य में उनके प्रति पैदा हुई सहानुभूति कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने में कारगर साबित हो रही है। राज्य में होने वाले इस संभावित सत्ता परिवर्तन को राज्य के कई मंझे हुये नेता भी बखूबी समझ रहे हैं। और उनकी यही दूरदर्शिता उन्हें किसी न किसी परिस्थितिवश चुनाव पूर्व ही दल बदल करने के लिये मजबूर कर रही है। प्राप्त खबरों के अनुसार राज्य के आठ प्रमुख भाजपा नेताओं के अतिरिक्त तमाम छुटभैय्ये भाजपाई भी कांग्रेस पार्टी का दामन थाम चुके हैं। जबकि कुछ जे डी एस में भी शामिल हुये हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व उप मुख्यमंत्री से लेकर कई विधायक और विधान परिषद सदस्य तक शामिल है। इसी सूची में सबसे महत्वपूर्ण नाम राज्य के पूर्व मुख्य मंत्री भाजपा एवं लिंगायत समुदाय के प्रभावशाली नेता जगदीश शेट्टार और पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी का है। कर्नाटक की राजनीति में लिंगायत समुदाय सत्ता का खेल बनाने बिगाड़ने में अत्यंत प्रभावी माना जाता है। बताया जा रहा है कि शेट्टार अपनी पारंपरिक सीट हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में सातवीं बार चुनाव लड़ना चाह रहे थे, लेकिन भाजपा ने उन्हें टिकट देने से मना कर दिया था। प्राप्त खबरों के अनुसार शेट्टार को हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी न बनाने के बदले में उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री और उनके परिवार के किसी अन्य सदस्य को विधानसभा चुनाव लड़ने की पेशकश पार्टी की ओर से की गयी थी जो उन्होंने स्वीकार नहीं किया। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने आनन फानन में जगदीश शेट्टार को पार्टी में शामिल कर उन्हें हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से पार्टी का प्रत्याशी भी घोषित कर दिया। लिंगायत समुदाय के कर्नाटक में 18 फीसद मतदाता हैं और वो प्रायः भाजपा के समर्थक माने जाते रहे हैं।

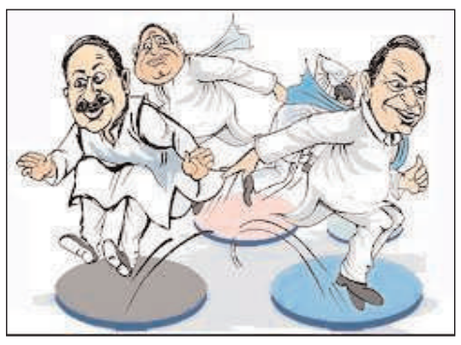

भाजपा छोड़ने के बाद जगदीश शेट्टार अकेले 20 से लेकर 25 लिंगायत प्रभाव वाली सीटों पर भाजपा को नुक़्सान व कांग्रेस को फायदा पहुंचा सकते हैं। इनके अतिरिक्त भाजपा छोड़ने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व विधायक डीपी नारीबोल, मंत्री एस अंगारा और बीएस येदियुरप्पा के करीबी डॉक्टर विश्वनाथ के साथ वर्तमान विधायक एमपी कुमारस्वामी,विधायक रामप्पा लमानी, विधायक गुली हटी शेखर, तथा वर्तमान एमएलसी (विधान पार्षद) शंकर शामिल हैं। दल बदल करने वाले अधिकांश भाजपा नेताओं का एक ही दुखड़ा है कि पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी क्यों नहीं बनाया। टिकट न मिलने के कारण पार्टी छोड़ने वाला एक नाम वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और कर्नाटक विधानसभा के पूर्व स्पीकर कागोडु थिम्मप्पा की बेटी डॉ. राजनंदिनी का भी है। गत दिनों यह कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और पार्टी के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गयीं । बीजेपी में शामिल होने बाद डॉ. राजनंदिनी ने अपनी व्यथा बयान करते हुये कहा भी कि -मुझे उम्मीद थी कि कांग्रेस) मुझे पहचानेगी और मुझे टिकट देगी , लेकिन मुझे मौका नहीं मिला जबकि बीजेपी में गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया गया। मैं पार्टी के लिए काम करूंगी। मैं वर्कर हूं और कहीं भी काम कर सकती हूं। पूरी संभावना है कि डॉ. राजनंदिनी थिम्मप्पा भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ेंगी।

केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों के चुनाव में भी यहाँ तक कि लोकसभा चुनावों के समय भी अपना अपना राजनैतिक कैरियर बचाने या बनाने के नाम पर दल बदल का खेल चलना एक आम बात बन चुकी है। यह दल बदल पार्टी के टिकट मिलने या न मिलने से शुरू होकर मंत्री यहाँ तक कि मुख्यमंत्री बनने बनाने तक जारी रहता है। मध्य प्रदेश की तरह कई राज्य इस बात के भी उदाहरण पेश कर चुके हैं कि किस तरह सत्ता के इसी घिनौने खेल में राज्य की जनता द्वारा दिये गये सत्ता विरोधी जनमत का इन्हीं अवसरवादी व अपने स्वार्थपूर्ण राजनैतिक कैरियर को राजनैतिक विचारधारा से भी ऊपर मानने वालों द्वारा मजाक उड़ाया गया। आज भले ही कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में बड़ी संख्या में भाजपाई नेताओं को पार्टी में शामिल कराकर आगामी चुनाव में अपनी बढ़त की संभावनाओं का एहसास कर रही हो परन्तु जो नेता केवल भाजपा का टिकट न मिलने के कारण कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं वह कांग्रेस की विचारधारा के वाहक आखिर कैसे हो सकते हैं ? अभी पिछले दिनों हिजाब के विरोध से लेकर और भी कई तरह के साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के प्रयास भाजपा द्वारा कर्नाटक में इन्हीं वर्तमान विधानसभा चुनावों के मद्देनजर किये गये थे। उस समय तो यही भाजपा छोड़ने वाले लोग भाजपा की नीतियों का समर्थन कर रहे थे ?

कांग्रेस हो या भाजपा या अन्य परस्पर धुर विरोधी वैचारिक पार्टियां, इनके द्वारा अवसरवादिता के कारण खास कर अपने राजनैतिक कैरियर को संवारने की गरज से दल बदल करने वाले लोगों को अपने अपने दलों में शामिल कराने का साफ अर्थ है कि पार्टियां स्वयं भी मात्र सत्ता प्राप्त करने के लिये ऐसे थाली के बैंगनों का सहारा लेना पसंद करती हैं जिनके लिये विचारधारा नहीं बल्कि उनका राजनैतिक कैरियर अधिक महत्वपूर्ण है। और जिनकी कोई राजनैतिक विचारधारा ही न हो केवल उनका राजनैतिक कैरियर ही उनके लिये सबसे महत्वपूर्ण हो वे वैचारिक रूप से किसी भी पार्टी के वफादार तो हरगिज नहीं हो सकते। राजनैतिक दल जो कि दरअसल प्रायः अवसरवादियों का ही एक समूह कहा जा सकता है यह भले ही अपना लाभ देखकर दलबदलुओं को टिकट,मंत्री पद यहां तक कि मुख्यमंत्री पद देकर अपने को मजबूत और अपने विरोधी दलों को कमजोर करने का अस्थायी खेल खेलते रहते हों परन्तु जनता को ऐसे दलबदलुओं को तो जरूर सबक सिखान चहिये जिनके लिये विचारधारा नहीं बल्कि उनका स्वार्थपूर्ण राजनैतिक कैरियर ही सबसे महत्वपूर्ण है।

कब समझेंगे हम पृथ्वी की पीड़ा?

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चचाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच हुए सीमा समझौता के सियासी मायने को ऐसे समझिए

पूर्वोत्तर के दो प्रमुख राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच गुरुवार को हुए सीमा समझौता के अहम सियासी मायने हैं, जो न केवल पूर्वोत्तर के पांच अन्य राज्यों बल्कि पूरे मुल्क की सियासत को गहरे तक प्रभावित करेंगे। जिस तरह से सियासत के चाणक्य अमित शाह ने दशकों से चले आ रहे इस विवाद को शांतिपूर्वक सुलझाया है, उससे उनका राजनैतिक कद थोड़ा और ऊंचा उठा है। ऐसा इसलिए कि अपने गृह मंत्रित्व काल में उन्होंने जिस संजीदगी के साथ जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर के सात बहन राज्यों के लिए नासूर समझी जाने वाली विभिन्न समस्याओं के सकारात्मक हल यानी निदान निकाले हैं, उसका सकारात्मक असर भारतीय राजनीति में महसूस किया जा रहा है। इससे देश की छवि भी बदली है और समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में पिछले 9 वर्षों में पूर्वोत्तर की लगभग सभी समस्याओं का समाधान निकाल कर समग्र शांति और अतुलनीय विकास के एक नए युग का सूत्रपात किया गया है। इसी की एक मजबूत कड़ी के तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में गुरुवार 20 अप्रैल 2023 को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को खत्म करते हुए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय गृह सचिव और केंद्र व दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी ने इस अवसर को यादगार बना दिया।

गौरतलब है कि आजादी के बाद 1972 से लेकर आज तक जिस 800 किमी लंबी असम-अरुणाचल सीमा विवाद को किसी भी सरकार ने सुलझाने की कोशिश नहीं की। दोनों राज्यों के बीच 123 गांवों को लेकर विवाद था, जिसपर अरुणाचल प्रदेश ने दावा किया था। हालांकि, अभी जिन 71 गांवों की स्थिति को लेकर जो स्पष्ट सहमति बनी है, इसमें से 10 गांव असम में ही बने रहेंगे। वहीं 60 गांव असम से लेकर अरुणाचल में शामिल किए जाएंगे। वहीं, 1 गांव अरुणाचल प्रदेश से लेकर असम में शामिल किया जाएगा। कहने का तातपर्य यह कि 60 गांव अरुणाचल प्रदेश को मिले, जबकि 11 गांव असम को। शेष बचे 52 गांवों में से 49 गांव की सीमाएं अगले छह महीनों में क्षेत्रीय समितियों द्वारा तय की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, अब दोनों पक्ष कोई नया दावा नहीं करेंगे। इसप्रकार उस ऐतिहासिक विवाद को निपटाकर केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह ने एक बार फिर से यह साबित किया है कि वो वास्तव में भारतीय राजनीति के चाणक्य हैं और शह-मात के खेल में वो जो नायाब संतुलन साधते हैं, उसका कोई दूसरा सानी नहीं।

बता दें कि 50 से अधिक बार पूर्वोत्तर के सात बहन राज्यों का दौरा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित पूर्वोत्तर, शांत पूर्वोत्तर और विवाद मुक्त पूर्वोत्तर के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर जुटे उनके हनुमान यानी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में 2019 में एनएलएफटी समझौता, 2020 में ब्रू समझौता, 2021 में बोडो समझौता, 2022 में कार्बी समझौता, आदिवासी शांति समझौता, असम-मेघालय के 67 प्रतिशत अंतरराज्यीय सीमा विवाद का समझौता और 20 अप्रैल 2023 को 800 किमी लंबे असम-अरुणाचल सीमा के निपटारे से पूरे पूर्वोत्तर का कायाकल्प हो रहा है। यह हर भारतवासी के लिए गर्व और गौरव दोनों के विषय हैं।

आँकड़ों के मुताबिक संकल्प से सिद्धि के 9 सालों में ही पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की नीतियों के कारण पूर्वोत्तर राज्यों में 8000 से ज्यादा उग्रवादी युवा अपने हथियार छोड़कर देश/प्रदेश की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। खास बात यह कि पूरे पूर्वोत्तर में हिंसा में लगभग 67 फीसदी की कमी आई है। वहीं, सुरक्षा बलों के मृत्यु में 60 फीसदी की कमी और नागरिकों की मृत्यु में 83 प्रतिशत की कमी आई है। जहाँ असम के 70 प्रतिशत क्षेत्र, मणिपुर के 6 जिले के 15 पुलिस स्टेशन और नागालैंड के सात जिलों को अफ्सपा से मुक्त कर दिया गया है, वहीं त्रिपुरा और मेघालय को पूरी तरह से अफ्सपा से मुक्त कर दिया गया है, जो यह साबित करता है कि देश अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है और आने वाला कल सुख-शांति-समृद्धि प्रदायक साबित होगा। देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के निर्माण में जुटे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अथक प्रयासों और कुशल रणनीतियों का ही यह तकाजा है कि समग्र पूर्वोत्तर में आधारभूत संरचना विकास (इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट) और औद्योगिक निवेश सहित सीमा से सटे गाँवों का चौतरफा विकास वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत हो रहा है। राजनीतिक विश्लेषक ठीक ही बताते हैं कि आजादी के बाद ही जिस समस्या का समाधान हो जाना चाहिए था, उसका समाधान आज 75 साल के बाद एक सख्त गृह मंत्री समझे जाने वाले अमित शाह के दिशा-निर्देश में गृह मंत्रालय कर रहा है। शायद इसलिए कहा जाता है कि सियासत में जो यश आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को प्राप्त हो रहा है, वह देश के पहले उपप्रधानमंत्री व गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के अलावा शायद ही किसी को मिला हो। इस बात को समझने और समझाने की जरूरत है, ताकि सदियों बाद देश को मिले मजबूत व निर्णायक नेतृत्वकताओं के बारे में आमलोगों के बीच जो गलतफहमियां परोसी जा रही हैं, उससे निजात मिल सके और नेतृत्व यथावत गतिमान रहे, ताकि यह राष्ट्र निरन्तर मजबूत होता रहे।

'कैसे माफ करूं मैं तुझको'

सोचो
आएगा एक
दिन ऐसा
तू मांगेगा
माफी जब
मुझसे
मैं क्या
माफ कर
पाऊंगी तुझको
जो दर्द दिया है तूने मुझको
जिसका मरहम अब तक
मिला नहीं मुझको
बोलो कैसे माफ करूं मैं
तुझको
बिन पानी तड़पे मछली जैसे
तड़पाया तूने इस कदर मुझको
बोल कैसे माफ करूं मैं
तुझको
रूह निकले जिस्म से कैसे
नासूर जख्म दिया है जो
मुझको
बोलो कैसे माफ करूं मैं
तुझको
तूने मुझे जीना सिखलाया
दोहरी जिंदगी जीना मुझको
वक्त ने मेल कराया मुझसे
मतलबी लोगों से इस जग में
दिल के अरमां को मरने पर
इतना मजबूर किया तूने मुझको
बोलो कैसे माफ करूं मैं
तुझको।

-(नसू एंजेल)
नागपुर ,महाराष्ट्र

जिले के विभिन्न निकायों में अध्यक्ष पद के 72 उम्मीदवार ठोकेंगे ताल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले के नगर निकाय चुनाव के नामांकन प्रक्रिया के तहत नाम वापसी के बाद निकायों के अध्यक्ष पद के लिए अब 72 प्रत्याशी अध्यक्ष पद के लिए कथा सदस्य पद के लिए 668 प्रत्याशी मैदान में हैं।बताते चलें कि जिले की विभिन्न निकायों के अध्यक्ष पद के लिए कुल 15 लोगों ने तो सदस्य पद के लिए 37 लोगों ने पर्चा वापस लिया। शुक्रवार को प्रत्याशियों को प्रतीक चिन्हों का आवंटन भी कर दिया गया। नगर पालिका गाजीपुर में अध्यक्ष पद के लिए 14 उम्मीदवार थे। विनोद अग्रवाल, शरीफ राइनी, भैया जी वर्मा एवं अरुण ने नामांकन वापस ले लिया अब मैदान में 10 प्रत्याशी रह गए जबकि सभासद पद के 6 उम्मीदवारों ने नामांकन वापसी की इसके बाद अब चुनाव मैदान में 133 सभासद प्रत्याशी बचे हैं।

इसी प्रकार नगर पालिका परिषद जमानिया में अध्यक्ष पद पर 11 जबकि सभासद के लिए 120 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। वही नगर पालिका परिषद मोहम्मदाबाद से 7 अध्यक्ष पद के और 119 सभासद पद के उम्मीदवार लड़ेंगे। नगर पंचायत सैदपुर में अध्यक्ष पद के 7 और सभासद पद के 82। नगर पंचायत सादात से अध्यक्ष पद के 9, सभासद पद के 49। नगर पंचायत बहादुरगंज से अध्यक्ष पद के 6 और सभासद पद के 70। नगर पंचायत जंगीपुर से अध्यक्ष पद के 10 और सभासद पद के 47। नगर पंचायत दिलदारनगर से अध्यक्ष पद के 12 और सभासद पद के 48 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। नगर पंचायतों से नाम वापसी लेने वाले उम्मीदवारो के नाम क्रमशः नगर पंचायत जंगीपुर से फातिमा, मोहम्मदाबाद नगर पालिका के निर्दल प्रत्याशी निवर्तमान चेयरमैन शमीम अहमद, जमानिया नगरपालिका के गीता, संतोष, एवं गीता ।सैदपुर नगर पंचायत से निर्दल प्रत्याशी हेमलता सोनकर, नगर पंचायत सादात से सुमन और रामानंद जायसवाल, बहादुरगंज नगर पंचायत से निकहत परवीन, मोहम्मद जकारिया, दिलदार नगर पंचायत से गोपाल वर्मा है।

पृथ्वी को बचाने के लिए हुआ पौधरोपण

प्रखर कुशीनगर। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर शनिवार को प्रातः काल नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा बढ़ते प्रदूषण से पृथ्वी को बचाने के लिए कसया कसाडा परिसर में वृहद पौधरोपण का आयोजन किया गया जिसमें कसया तहसील प्रशासन, नगर पालिका परिषद, वन विभाग सहित नगर के आम जन ने बढ़ चढ़कर

सहभागिता की और पौधरोपण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये तहसीलदार मान्धाता प्रताप सिंह ने कहा कि पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है जहां जीवन संभव है। लेकिन बढ़ते प्रदूषण के कारण यहां भी अब जीवन संकट ग्रस्त हो रहा। ऐसे में पृथ्वी को बचाने के लिए प्रदूषण फैलाने वाली चीजों का प्रयोग कम करते हुये अधिकाधिक मात्रा में पौधे लगाने और बचाने होंगे। कार्यक्रम को क्षेत्रीय वन अधिकारी अखिलेश दुबे, ईओ प्रेम शंकर गुप्ता, डॉ0 गौरव तिवारी, डॉ0 निगम मौर्य, आशुतोष मिश्र इत्यादि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन करते सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने कहा कि पृथ्वी के महत्व को समझने और इसके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु हर साल 22 अप्रैल को पूरी दुनिया एक निश्चित थीम के साथ पृथ्वी दिवस मनाती है। इस साल का थीम इन्वेस्ट इन आवर प्लैनेट है। उपस्थित लोगों का स्वागत संयुक्त सचिव सीए अंजनी नंदन सिंह व आभार अभिषेक श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर बृजेश मणि, गोपाल तिवारी, आनंद मालवीय, हरेंद्र चौरसिया, श्रवण कुमार त्रिपाठी, ममता कश्यप, अशोक दुबे, अभिषांक शर्मा, रंजीत राय, शैलेष प्रताप सिंह, डॉ0 पवनेश मणि, रवि प्रताप सिंह, उमेश चंद्र गुप्ता, ममता शर्मा, अनामिका गुप्ता, मधुलिका पूजा, अनमोल तिवारी, सुरेश गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, अम्बरीष, रमाशंकर, वीरू, झमन, दयानंद, कमलेश, सूरज इत्यादि उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से खेत की रखवाली कर रहे 52 वर्षीय किसान की मौत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 52 वर्षीय किसान की मौत। अहरौरा जलाशय स्थित सुलिस के समीप नगर के पट्टी कला निवासी किसान कैलाश की अकाशी बिजली की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जलाशय स्थित खेत पर खरबूजे खेती करने वाले किसान कैलाश पुत्र घुरहू उम्र 52 वर्ष निवासी पट्टी कला कस्बा अहरौरा प्रतिदिन की तरह, अपने खरबूजे की खेत पर अपने खेतों की रखवाली कर रहा था। कुछ कुछ ही दूरी पर उसके परिवार के लोग खरबूजे को गाड़ी पर लोड कर मंडी भेजने की तैयारी कर रहे थे। तभी अचानक मौसम खराब हुआ और आकाशीय बिजली की चपेट में आकर 52 वर्षीय कैलाश गंभीर अवस्था में घायल हो गया। परिजनों ने इसकी

सूचना अन्य लोगों को देकर अपने निजी साधन से तत्काल उसे लेकर सामुदायिक बाद केंद्र पहुंचे। जहा चिकित्सकों ने जांच पड़ताल कर उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे नगर चौकी प्रभारी ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए चूनार भिजवाया। अस्पताल पहुंचे मृतक के परिजनों को रो कर बुरा हाल था।

विंध्य कोरिडोर की अंडर ग्राउंड बन रही टंकी के लिए पाइप लाइन को किया जा रहा है शिफ्ट

प्रखर मीरजापुर। विंध्य कॉरिडोर निर्माण के अंतर्गत बन रही अंडर ग्राउंड टंकी के निर्माण में आड़े आ रही नगर पालिका की पाइप लाइन को शिफ्ट कर कॉरिडोर निर्माण से हटाकर दूर किया जा रहा है।बता दे जिलाधिकारी के स्थलीय निरीक्षण के दौरान पालिका के अधिकारियो को जल्द से जल्द शिफ्टिंग करने का निर्देश दिया गया था।इसी निर्देश के क्रम में शनिवार की सुबह जलकल अभियंता सुधीर वर्मा ने विंध्यधाम पहुंचकर पाइप लाइन के शिफ्टिंग कार्य का निरीक्षण किया।इस दौरान कर्मचारियों द्वारा पाइप लाइन को दूर किया जा रहा है।जिससे अंडर वाटर टंकी के निर्माण में कोई बाधा उत्पन्न नही होगी।जलकल अभियंता ने इस मौके पर कहा की कॉरिडोर निर्माण के अंतर्गत बन रही टंकी में पाइप लाइन को शिफ्ट किया जा रहा हैं।देर शाम तक इस कार्य को पूरा कर लिया जायेगा।

अकीदत के साथ मनाई गई ईद उल फितर मौलाना अंसार ने संपन्न कराई ईद की नमाज

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के डीह खास स्थित ईद गाह पर ईद उल फितर की नमाज सकुशल एवं शांतिपूर्वक संपन्न हुई इमाम मौलाना अंसार उल हक ने ईद की नमाज संपन्न कराई नमाज से पूर्व मौलाना अंसार ने अपने तकरीर के माध्यम से कौम के लोगों के बीच मोहब्बत से रहने एवं गरीब भाइयों की मदद करने समेत कई मुद्दों पर तकरीर के माध्यम से जागरूक किया बाद नमाज रोजी रोजगार में बरकत एवं मुल्क में अमन चैन की दुआ की गई स्थानी ईदगाह पर नगर एवं आसपास के दर्जनों गांव के मुस्लिम बन्धु ईद की नमाज पढ़ने के लिए हजारों की संख्या मे सम्मिलित हुए थे इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी की जानिब से ईदगाह के इंतजाम व नमाजियों की खिदमत का भरपूर ख्याल रखा गया था। छोटे बच्चे

एवं नमाजी ईदगाह में लगे मेले में नमाज के बाद भरपूर खरीदारी करते देखे गए बड़े बुजुर्ग जहां बारा जलेबी खरीद रहे थे ।तो बच्चे अपने खिलौने गुब्बारे खरीद कर ईद की खुशियो का इजहार एक दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद देते हुए कर रहे थे। ईद की नमाज ईदगाह में संपन्न होने के बाद जिन नमाजियों की नमाज छूट गई थी उनके लिए बूढ़ादेई स्थित मस्जिद में आधे घंटे के बाद दूसरी नमाज का इंतजाम किया गया था।सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस एवं पीएसी बल तैनात रहे पालिका प्रशासन की तरफ से ईदगाह मार्ग पर साफ-सफाई एवम चूने का छिड़काव समेत पेयजल की व्यवस्था की गई थी। थाना प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह पुलिस बल के साथ ईदगाह परिसर के समीप तैनात रहे।

पत्थर खनन क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के लिए जागरूकता अभियान

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। ग्रामीण युवा मंच, मिजार्पुर के तरफ से मीरापुर से कुदारन में शनिवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर वॉइस फॉर ग्रीन अर्थ के लिए अहरौरा के पत्थर खनन क्षेत्र में, जलवायु परिवर्तन तथा इसकी जागरूकता के लिए गाँवो में पद यात्रा निकाला गया। इस पद यात्रा को ग्राम प्रधान रामललित यादव ने हरी झण्डी दिखा कर रवाना किये! इस पद यात्रा में जिले 80 से अधिक युवाओं व बच्चों ने भाग लिया और 200 से अधिक लोगो को इस मुद्दे के प्रति जागरूक किया. ग्रामीण युवा मंच के सदस्य श्री अंजू कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर यूथ फॉर इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी एक युवा नेतृत्व वाला नेटवर्क है जिसे 2013 में बच्चों और युवाओं के पारिस्थितिक अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बनाया गया था। यह युवा नेटवर्क भारत के 16 राज्यों में सक्रिय है और सतत विकास लक्ष्यों पर काम करने के लिए 12000 बच्चों और युवाओं के साथ जुड़ा हुआ है। सतत विकास लक्ष्य -13, जलवायु कार्रवाई में योगदान करने के लिए, पारिस्थितिक स्थिरता के लिए युवा 45 दिनों का अभियान Voice for Green Earth उत्तर प्रदेश

के साथ-साथ भारत के अन्य राज्यों में शुरू कर रहा है। जिसकी शुरूवात 22 अप्रैल 2023पृथ्वी दिवस से शुरू किया जा रहा है. और उसका समापन 5 जून विश्व पर्यावरण के दिवस के दिन किया जायेगा. जलवायु संकट इस युग की महत्वपूर्ण मानवाधिकार चुनौती है और पहले से ही युवाओं की भलाई पर विनाशकारी प्रभाव डाल रहा है, जो वयस्कों की तरह जलवायु परिवर्तन और संबंधित पर्यावरणीय गिरावट के प्रभावों का अनुभव नहीं कर रहे हैं। भारत में कुल जनसंख्या में युवाओं का अनुपात औसत से ऊपर है। वे विशेष रूप से भोजन और पानी की असुरक्षा और प्रदूषित वातावरण के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से विशेष रूप से प्रभावित होते हैं। साथ ही, जब जलवायु सुरक्षा उपायों की बात आती है तो वे भविष्य के निर्णय लेने वाले और प्रमुख खिलाड़ी होते हैं। हालांकि, भारत में युवाओं को विभिन्न बाधाओं का सामना करना पड़ता है जो उन्हें जलवायु कार्रवाई में शामिल होने से रोकते हैं: इसमें पहुंच, ज्ञान, क्षमता और संसाधनों की कमी शामिल है। इस अवसर पर अंजू बिन्द, नागेंद्र,बबलु बावरा, ओमप्रकाश, धर्मेंद्र ,संजय , रूली, खुशबू ,स्मृति ,अंशू, दिपा,दिनेश, प्रमोद , आशिष,राजन इत्यादि युवाओ ने भाग लिया।

गुलशन के फूल का लोकार्पण आज

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। जनपद के आदर्श विद्यापीठ इ०का० रुहीपुर के अवकाश प्राप्त हिन्दी प्रवक्ता विजय कुमार यादव 'मधुरेश, के कविता संग्रह गुलशन के फूल का लोकार्पण आदर्श जनता इ०का०पलिया के स्व०यमुना यादव स्मृति सभागार में दिन में ग्यारह बजे से समारोह पूर्वक किया जाएगा। जिसके मुख्य अतिथि डॉ ०अभयराज यादव (प्रो०हिन्दी) राजकीय पी०जी० कॉलेज सैय्यद राजा चंदौली होंगे।इस मौके पर आयोजित कवि सम्मेलन में लगेंगे ठहाके, गूंजेंगी तालियां चलेंगे व्यंग बाण जो समसामयिक विषयों पर केंद्रित होगा। कवियों में मुख्य रूप से सूरज पाण्डेय 'सुजान, हरिनारायण यादव 'बेसुध, सुदर्शन सिंह कुशवाहा 'चिराग, डॉ०कामेश्वर द्विवेदी, डॉ अक्षय पाण्डेय,दिनेश चंद्र शर्मा 'रवि, गौरीशंकर पाण्डेय सरस,विनय विश्वात्मा आदि कार्यक्रम को ऊंचाई प्रदान करेंगे।इसकी जानकारी स्वयं कवि विजय कुमार मधुरेश ने दी है।

जय महाकालेश्वर सेवा संस्था भव्य कलश यात्रा हजारों महिलाओं भक्तों के साथ 12 मई को होगा

प्रखर भदोही। महाकालेश्वर संस्था सेवा द्वारा आयोजित कार्यक्रम विश्व कल्याण हेतु शतचण्डी महायज्ञ और श्रीराम

कथा पुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन 12 मई से 20 मई तक आयोजित किया जाएगा। भव्य कलश शोभा यात्रा का भी आयोजन 12 मई शुक्रवार को 4 बजे से 6 बजे गल्हैया वारी दशरथ पुर ज्ञानपुर में आयोजित किया जाएगा । जिसमें हजारों महिलाएं कलशशोभा यात्रा में पूजा जनसैलाब के साथ भाग लेंगी। भदोही की धरती पर जय श्री राम के नारों के साथ भगवा ध्वज के साथ भक्तिमय माहौल क्षेत्र के सभी जनमानस के साथ प्रदेश सम्मानित लोगों की उपस्थिति दर्ज होगी प्रशासन बेवस्था के साथ। जय महाकालेश्वर संस्था अध्यक्ष बिधि शुक्ला प्रमुख पदाधिकारी प्रकाश तिवारी जी बताया कि कथा वाचक श्री बालकृष्ण जी महराज और प्रमुख यज्ञाचार्य विशिष्ट महराज होंगे। समाज मे काम कर रहे हेल्प यु बड्डी फाउंडेशन, उत्तर भारती विकाश मंच, ब्राह्मण सेना, ब्राह्मण बिकाश मंच, सम्मानित गण मुंबई से आएंगे बड़ी हस्तियां महानुभाव लोगों के साथ कार्यक्रम की शोभा सफल बनाएंगे।

करंडा पुलिस ने किया दहेज अधिनियम एक्ट के तहत तीन गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी नगर के मार्गदर्शन थानाध्यक्ष करण्डा मे शनिवार को ग्राम करकटपुर थाना करण्डा जनपद गाजीपुर को घर से अभियुक्त रविन्द्र यादव पुत्र गामा यादव उम्र करीब 23 वर्ष नि0-ग्राम करकटपुर थाना करण्डा जनपद गाजीपुर, गामा यादव पुत्र स्व0 कौलेश्वर उम्र करीब 65 वर्ष नि0-ग्राम करकटपुर थाना करण्डा जनपद गाजीपुर, इमरती देवी पत्नी गामा यादव उम्र करीब 62 वर्ष नि0-ग्राम करकटपुर थाना करण्डा जनपद गाजीपुर को अभियुक्त गण के घर से गिरफ्तार कर अन्य विधिक कार्यवाही थाना करण्डा द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार चौधरी, महिला कांस्टेबल किरन यादव, कांस्टेबल केशव सिंह, कांस्टेबल चन्द्रदेव सिंह शामिल रहे।

एटा में दो युवकों की हत्या: कमरे में मिली एक युवक की लाश, दूसरा का किया ऐसा हाल, लाशें देख सहम गए परिवार

आगरा। एटा के जसरथपुर थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या कर शव को कमरे में खूंटी पर फंदे से लटकाने का आरोप है। जबकि अलीगंज क्षेत्र में एक युवक शुक्रवार की रात करीब आठ बजे घर से लापता हो गया था। उसका शव शनिवार की सुबह मकान के पीछे लकड़ियों में दबा मिला। गले में नुकीली वस्तु से प्रहार का निशान है। परिजनों की ओर से हत्या की आशंका जताई गई है। जसरथपुर क्षेत्र के गांव अहरई बिचनपुर निवासी प्रमोद कुमार (35) की हत्या करने का आरोप गांव के ही संतोष, इसके भाई सोनू, सर्वेश और आशाराम पर लगाया गया है। मृतक के भाई अखिलेश कुमार ने बताया कि सोनू ऑटो चलाता है। इसके ऑटो में सवार होकर भाई शुक्रवार की शाम करीब छह बजे जैथरा से घर लौट रहा था, तभी चालक ने शराब के नशे में गालीगलौज की। इसका भाई प्रमोद ने विरोध किया तो गांव के पास पहुंचकर सोनू ने अपने भाइयों को बुला लिया और मारपीट की। भाई ने पुलिस को बुला लिया तो पांचों को पुलिस गांव से लेकर चली गई। लेकिन नगला मोहन के पास लेनदेन करके सभी को छोड़ दिया। आरोप है कि इसी विवाद में चारों ने मकान के बाहर सो रहे भाई प्रमोद की गला दबाकर हत्या कर दी। आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को कमरे में खूंटी के सहारे साड़ी के फंदे से लटका दिया। मृतक प्रमोद के भाई अखिलेश ने बताया कि चारों ने पहले भाई की हत्या कर दी। जब भाभी किरन देवी आहट होने पर जागीं। तो छिप गए और बकरियों को खोलकर भगा दिया। जब भाभी बकरियों को पकड़ने गईं, इतने समय में ही शव को कमरे में लाकर खूंटी के सहारे टिकाकर भाग गए। तब चारों को भागते देखा गया।

मकान के पीछे मिली युवक की लाश– वहीं दूसरी घटना में थाना अलीगंज क्षेत्र के गांव हृदेयपुर निवासी सिकंदर (25) का शव मकान के पीछे लकड़ियों में दबा मिला है। बहन सोनी ने बताया कि सिकंदर शुक्रवार की शाम करीब पांच बजे घर से निकले थे। इसके बाद कोई पता नहीं चला। शनिवार को मकान के पीछे लकड़ियों के नीचे दबा मिला। एएसपी धनंजय सिंह कुशवाहा ने बताया कि एक युवक की हत्या करने का आरोप है। दूसरे के गले में गहरी चोट का निशान है। हत्या की आशंकाएं जताई जा रही हैं। जसरथपुर में चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। अलीगंज मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 26 अप्रैल से

प्रखर बांसडीह बलिया। बांसडीह तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा खरौनी में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। बता दें कि श्रीमद् भागवत कथा 26 अप्रैल दिन बुधवार से शुरू होकर 2 मई दिन मंगलवार को समाप्त होगी। समापन के बाद 3 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कथावाचक के रूप में पंडित गणेश तिवारी जी के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा गाई जाएगी। श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन रविंद्र सिंह व उनकी पत्नी मानकी देवी द्वारा किया जा रहा है, मुख्य यजमान के रूप में मानकी देवी रहेंगी। यह जानकारी भारतीय थल सेना के सैनिक व रविंद्र सिंह के पुत्र शिवजी सिंह ने दी।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीण क्षेत्र के ईदगाहों पर अकीदत के साथ पढ़ी गई नमाज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर व सिंधोरा थाना क्षेत्र के दो दर्जन ईदगाह व मस्जिद में ईद उल फितर की नमाज अकीकद के साथ अदा की गई। इस दौरान ईदगाहों के बाहर पुलिस बल तैनात रही। पिंडरा में मोहम्मद अफरोज तथा मीराशाह में मौलाना ने नमाज अदा की। ईदगाह में आसपास के आधा दर्जन गांवों के लोगों ने नमाज सुबह 8 बजे अदा की। वही सिंधोरा स्थित ईदगाह में शिफ्टवार नमाज हुई। पहली नमाज सुबह 8 बजे पेश इमाम अख्तर मौलाना तथा दूसरी नमाज सुबह साढ़े 8 बजे मौलाना शमशेर अली साहब ने पढ़ाई। वही नदोय स्थित फारुकिया वाली मस्जिद में सुबह 7 बजे नमाज अदा की गई। इसी तरह नेवादा,ताड़ी, कठिराव, कुआर, मंगारी, फूलपुर समेत अनेक ईदगाह में नमाज अदा की गई। नमाज के बाद एक दूसरे से गले मिलकर मुस्लिम बन्धुओ ने ईद की बधाई दी। ईद की संवेदनशीलता को देखते हुए एसडीएम पिंडरा अंशिका दीक्षित, एसीपी अमित पाण्डेय, सिंधोरा थानाध्यक्ष आशीष मिश्रा क्षेत्र के ईदगाहों पर चक्रमण करते रहे।

भाकपा माले ने 74 गांवों में मनाया पार्टी स्थापना दिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ। शहीदों के के सपनों का भारत बनाओ। जिले के जमानिया भदौरा सदर करंडा सैदपुर सदा जखनिया कासिमाबाद मोहम्मदाबाद ब्लॉकों के 74 गांव में भाकपा माले का स्थापना दिवस के अवसर पर झंडारोहण करते हुए कार्यकर्ता बैठक आयोजित हुई और पार्टी के केंद्रीय कमेटी का शपथ पत्र का पाठ भी पार्टी के कार्यकताओं ने किया। साथ ही गांव गांव मजबूत पार्टी बनाने का संकल्प लिया। लोकतंत्र बचाओ संविधान बचाओ शहीदों के सपनों का भारत बनाओ नारे के तहत पार्टी स्थापना दिवस मनाया गया। आज स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाकपा माले के केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने संबोधित करते हुए कहा कि देश में फासीवादी हुकूमत देश के संविधान और लोकतंत्र पर लगातार हमला कर रही है। जनता के अधिकारों को छीन रही है और दमन कर रही है जिसके खिलाफ हम गरीब मजदूर किसानों को संगठित करते हुए संविधान के मातहत लोकतंत्र के मातहत एक नया देश निर्माण के लिए संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, शशिकांत कुशवाहा, राजेश बनवासी, योगेन्द्र भारती, गुलाब सिंह, नन्द किशोर बिन्द, सरोज यादव, मंजू गोड़, कन्हैया बिन्द, बेचू बनवासी, लाल बहादुर बागी, मोती प्रधान, चंद्रावती, गोरख राजभर, विजय कुमार, मुरारी बनवासी, विजय बनवासी, लाल जी बनवासी बुच्चीलाल आदि ने भी संबोधित किया।

अपराधी नहीं है शाइस्ता परवीन और अफशा अंसारी : जै किशन साहू

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। एक तरफ उत्तर प्रदेश की पुलिस जहां अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशा अंसारी की खोज में दिन रात लगी हुई है वही गाजीपुर सदर के समाजवादी पार्टी विधायक जय किशन साहू ने दोनों को क्लीन चिट दे दी है। शुक्रवार को अफशा अंसारी के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी हुआ दूसरी तरफ सपा विधायक जय किशन साहू ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा की इन लोगों को घसीटा जा रहा है। इसे राजनीति नहीं तो क्या यज्ञ और हवन कहेंगे। विधायक के इस बड़े बयान के बाद सियासी गलियारे में चर्चा का बाजार गर्म है। बताते चलें की बाहुबली मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशा अंसारी की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। अफशा अंसारी पर घोषित 25 हजार का इनाम बढ़ाकर 50 हजार कर दिया गया है। अभी 1 दिन पूर्व मऊ पुलिस की टीम ने गाजीपुर के मोहम्मदाबाद स्थित मुख्तार अंसारी के पैतृक आवास पर अफशा की तलाश में छापेमारी भी की थी।

थाने से कुछ फर्लांग पर दबंग ने जमाया कब्जा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाने से कुछ ही फर्लांग की दूरी पर स्थित एक जमीन पर दबंगो ने चहारदीवारी तोड़कर कब्जा कर लिया और पुलिस पीड़ित को इधर उधर टहलाती रही। पीड़िता मुकदमा दर्ज कराने के सुबह से थाने पर बैठी रही। बताते हैं कि मुर्दहा थाना चोलापुर निवासी रंजना सिंह ने 2 बिस्वा जमीन वर्ष 2012 में लेने के बाद बाउंडरी वाल करा दी । शनिवार को सुबह 9 बजे सूचना पर थाना से कुछ फर्लांग की दूरी पर स्थित उक्त जमीन पर पर पहुची तो देखा कि दबंग ने चहारदीवारी को तोड़कर एक नई चहारदीवारी जोड़कर कब्जा कर लिया। मौके पर पीड़िता ने 112 को सूचना दी। उसके बाद फूलपुर पुलिस को लिखित शिकायत की। थाने के मात्र 100 मीटर की दूरी पर स्थित उक्त जमीन को पुलिस न देखने पहुचे, न ही मुकदमा दर्ज किया। जिससे पीड़िता सुबह से लेकर शाम तक थाने पर दबंगो के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर बैठी रही। वही इस बाबत कार्यवाहक थाना प्रभारी विवेकानंद द्विवेदी ने बताया कि शिकायत मिली है जांच की जा रही है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर सेल्फी विद अमृत सरोवर पर लिया संकल्प

प्रखर पिंडरा वाराणसी। विश्व पृथ्वी दिवस के पर शनिवार को प्रदेश सरकार के निर्देश पर सेल्फी विद अमृत सरोवर कार्यक्रम के तहत सेल्फी लेने की होड़ रही। कार्यक्रम में गांव सभा में बने अमृत सरोवर पर पहुंचकर सेल्फी लेकर मुख्यमंत्री समेत अनेक लोगों को ट्वीट किये। इस दौरान जलवायु परिवर्तन, वृक्षारोपण, जल संचय के बारे में चर्चा करने के साथ संकल्प लिया कि कम से कम एक पेड़ लगाएंगे और उसके सुरक्षा की जिम्मेदारी भी खुद करेंगे। सेल्फी कार्यक्रम भानपुर, शाहपुर, रामनगर, खरगपुर, भदेवली व रामपुर समेत अनेक गांवों में अमृत सरोवर पर चला। इस दौरान बीडीओ दीपकंर आर्य, एपीओ धर्मेंद्र सिंह, सेक्रेटरी विजय सिंह व ग्राम प्रधान बबलू पटेल रहे।

किसी का भाई किसी की जान

पहले दिन कर सकती है 15 से 20 करोड़ कमाई

मुंबई (भाषा)। फिल्म व्यापार विशेषज्ञों की मानें तो ईद पर रिलीज होने वाली सलमान खान की नई फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' हिट साबित होगी और पहले दिन यह 15 से 20 करोड़ रुपए की कमाई कर सकती है। फरहाद सामजी के निर्देशन में बनी यह फिल्म शुक्रवार को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। सलमान चार साल बाद फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म व्यापार विशेषज्ञ तरन आदर्श के अनुसार, फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' दुनियाभर में 5700 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज की जा रही है। यह देश में 4500 और विदेश में 1200 स्क्रीन पर रिलीज होगी।

'किसी का भाई किसी की जान' दुनियाभर में 5700 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज की जा रही है। यह देश में 4500 और विदेश में 1200 स्क्रीन पर रिलीज होगी

'पीवीआर आईएनओएक्स लिमिटेड' के सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौतम दत्ता ने कहा कि फिल्म से 'बड़ी' उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, यह फिल्म 'पठान' रिलीज होने के कुछ सप्ताह बाद आ रही है। सच यह है यह दूसरी फिल्म है जिससे बड़ी उम्मीदें हैं और इसके ईद पर रिलीज होने की वजह से मुझे लगता है कि उत्साह कई गुना बढ गया है। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'पठान' जनवरी में बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी, जिसने दुनिया भर में एक हजार करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की।

दत्ता ने कहा कि फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के ट्रेलर को कई देशों में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा, फिल्म के पहले दिन 15 से 18 करोड़ की कमाई करने की उम्मीद है। शहर के एक फिल्म प्रदर्शक अक्षय राठी ने कहा कि 'किसी का भाई किसी की जान' सलमान खान की पिछले चार साल में पहली बड़ी फिल्म है इसलिए उनके प्रशंसकों में इसको लेकर काफी उत्साह है। उन्होंने कहा कि सलमान खान की फिल्म होने और उसके ईद पर रिलीज होने के कारण इससे काफी उम्मीदें हैं।

फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का निर्माण 'सलमान खान फिल्म्स' (एसकेएफ) के बैनर तले किया गया है। फिल्म में सलमान खान के अलावा तेलुगु अभिनेता वेंकटेश, पूजा हेगड़े, जगपति बाबू, भूमिका चावला, विजेंदर सिंह, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, शहनाज गिल, पलक तिवारी और विनाली भटनागर भी नजर आएंगे।

मुझे गर्मी में साड़ी पहनना सबसे आरामदायक लगता है : सोनम कपूर

मुंबई (आईएएनएस)। आईपीएल मैच में एप्पल के सीईओ टिम कुक के साथ नजर आई बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने कहा कि उन्होंने मैच के लिए साड़ी इसलिए चुनी, क्योंकि यह आरामदायक ड्रेस है। सोनम अपने पति आनंद आहूजा और टिम कुक के साथ गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच देखने गई थीं। इस दौरान एक्ट्रेस ने सिंपल लाइनिंग वाली साड़ी पहनी और विंटेज जूलरी के साथ कंप्लीट लुक दिया।

उन्होंने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, विंटेज जूलरी के साथ एक सिंपल लाइनिंग साड़ी में। मुझे गर्मी में पहनने के लिए साड़ियां सबसे आरामदायक लगती हैं। अनाविला का शुक्रिया, कुछ बेहतरीन और सबसे खूबसूरत साड़ियां बनाने के लिए, जो सादगी को दर्शाती हैं। इसके अलावा, सोनम फिलहाल बेटे वायु के साथ अपना समय बिता रही हैं। कुछ सालों तक डेट करने के बाद सोनम और आनंद ने 8 मई 2018 को शादी कर ली। उन्होंने 20 अगस्त, 2022 को अपने बेटे वायु को जन्म दिया।

सफेद होते बालों का कारण

स्टेम कोशिकाओं के अंदर ही हो सकता है

■ इस अध्ययन में पाया गया कि स्टेम कोशिकाओं में बाल (रोओं) की वृद्धि की विभिन्न अवस्थाओं में बढ़ने की क्षमता है लेकिन जब जब लोग बुजुर्ग होते हैं तो उनके परिपक्व होने एवं बाल रंग को बनाए रखने की क्षमता खत्म हो जाती है

नई दिल्ली (भाषा)। वैज्ञानिकों का मानना है कि उन्होंने संभवतः इस बात का कारण ढूढ़ लिया है कि उम्र बढ़ने पर बाल सफेद क्यों हो जाते हैं। उन्होंने इसके लिए रंजक (पिगमेंट) बनाने वाली स्टेम कोशिकाओं की परिपक्व होने की असमर्थता का हवाला दिया है। यह अध्ययन 'नेचर' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है जिससे बाल सफेद होने की प्रक्रिया को पलटने का आधार मिल सकता है।

इस अध्ययन में पाया गया कि स्टेम कोशिकाओं में बाल (रोओं) की वृद्धि की विभिन्न अवस्थाओं में बढ़ने की क्षमता है लेकिन जब जब लोग बुजुर्ग होते हैं तो उनके परिपक्व होने एवं बाल रंग को बनाए रखने की क्षमता खत्म हो जाती है। अमेरिका के एनवाईयू ग्रॉसमैन स्कूल ऑफ मेडिसीन के अनुसंधानकर्ताओं की अगुवाई में एक टीम ने चूहे की त्वचा की कोशिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया। उन्हें मनुष्य में भी 'मेलानोसाइट' स्टेम कोशिकाएं मिलीं।

बाल का रंग इस बात से नियंत्रित होता है कि मेलानोसाइट स्टेम कोशिकाओं की गैर क्रियाशीलता लेकिन निरंतर गुणकता को क्या परिपक्व कोशिकाओं में तब्दील होने का सिग्नल मिलता है या नहीं जो प्रोटीन पिगमेंट को रंग के लिए जिम्मेदार बनाता है। यह अध्ययन दर्शाता है कि मेलानोसाइट स्टम कोशिकाएं काफी लचीली होती हैं जिसका तात्पर्य है कि बाल की सामान्य वृद्धि के दौरान ऐसी कोशिकाएं परिपक्वता अक्षरेखा पर कभी आगे तो कभी पीछे जाती जाती है, वह भी तब जब वे रोओं से विकास के विभिन्न चरणों से जब गुजरती हैं।

अरविंद अकेला कल्लू का गाना 'टिकुलिया' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेता-गायक अरविंद अकेला कल्लू का नया गाना 'टिकुलिया' रिलीज हो गया है। 'टिकुलिया' गाना को एस आर के म्यूजिक से रिलीज किया गया है, जिसमें कल्लू और मैरी की केमेस्ट्री नजर आ रही है। कल्लू ने कहा कि भोजपुरी के गाने धीरे-धीरे गैर भोजपुरी भाषी के बीच में भी लोकप्रिय हो रहे है। यह इस वजह से हुआ कि हम सबों ने भोजपुरी की बेहतरी के लिए क्वालिटी प्रधान प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। आज भोजपुरी के दर्शकों और श्रोताओं की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिस वजह से आईपीएल जैसे स्पोर्ट्स में भी भोजपुरी कमेंट्री का प्रसारण किया जा रहा है। कल्लू ने कहा कि हमारा गाना हर बार की तरह अपने श्रोताओं को समर्पित है। इसलिए उम्मीद है कि उनका आशीर्वाद हमें मिलेगा और गाने को जमकर हिटस मिलेंगे। गाना 'टिकुलिया' का लिरिक्स मुकेश मिश्रा का है।

कृति सेनन

जाएंगी इंदौर, पोहा व जलेबियों का चखेंगी स्वाद

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस कृति सेनन एक इवेंट के लिए इंदौर जाएंगी। इस दौरान वह अपने फैंस से मिलेंगी और इंदौर के मशहूर व्यंजनों का भी लुत्फ उठाएंगी। कृति ने कहा, मैं अपनी फिल्म प्रमोशन के लिए इंदौर गई थी, लेकिन इस बार मैं अपने इंदौरी फैंस से मिलने और एक मजेदार सेशन के लिए उनसे बातचीत करने के लिए वहां जा रही हूं। मुझे याद है कि शहर की सफाई और सुंदरता से मैं प्रभावित हुई थी। जब वेस्ट मैनेजमेंट और स्वच्छता की बात आती है तो इंदौर ने अन्य शहरों के लिए एक उदाहरण पेश किया है।

मुझे इंदौर शहर का खाना भी बहुत पसंद है। भले ही मैं वहां कुछ घंटों के लिए रहूं, लेकिन पोहा, रतलामी सेव और जलेबी जरूर खाऊंगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो, कृति अगली बार करीना कपूर खान और तब्बू के साथ द क्रू में दिखाई देंगी। इसके अलावा, वह अगस्त में रिलीज होने वाली आदिपुरुष में भी बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आएंगी। शाहिद कपूर के साथ एक अनटाइटल फिल्म भी उनके पास है, जो अक्टूबर में रिलीज होगी। साथ ही टाइगर श्रॉफ के साथ गणपथ, जो उसी महीने रिलीज होने वाली है।

37वीं सालगिरह पर सोनी राजदान का खुलासा

मुंबई (आईएएनएस)। अपनी शादी की 37वीं सालगिरह के मौके पर दिग्गज एक्ट्रेस सोनी राजदान ने खुलासा किया कि कैसे वह अपने पति महेश भट्ट से मिलीं। सोनी ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की और उन्हें शादी की सालगिरह पर बधाई दी। उन्होंने खुलासा किया कि उनकी मुलाकात उनके एक दोस्त ने करायी थी। यह तस्वीर पिछले साल उनकी बेटी आलिया भट्ट की शादी में ली गई थी। उसने छवि को कैप्शन दिया, हमारी कहानीः एक दिन अचानक से मेरे एक दोस्त का फोन आया, जो चाहता था कि मैं महेश भट्ट से मिलूं। अच्छा छोड़ो, अब बहुत लंबी कहानी है, फिर कभी, मेन प्वाइंट ये है कि हम मिले, प्यार हुआ और हमने शादी कर ली। हैप्पी एनिवर्सरी बेबी। हमने एक साथ लंबा सफर तय किया है। सोनी और महेश की शादी 20 अप्रैल 1986 को हुई थी। फिल्म निर्माता की शादी पहले लोरेन ब्राइट से हुई थी, जो ब्रिटिश थीं। दोनों की एक बेटी पूजा भट्ट है।

सुपरस्टार ममूटी की मां का 93 साल की उम्र में निधन

कोच्चि (आईएएनएस)। सुपरस्टार ममूटी की 93 वर्षीय मां फातिमा इस्माइल का शुक्रवार तड़के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह उम्र संबंधी बीमारी से पीड़ित थीं। इस्माइल अपनी लेडी-नेक्स्ट-डोर इमेज के लिए जानी जाती थी। वह कोच्चि के पास अपने गांव चेम्बू में लोकप्रिय थी। शाम को चेम्बू मुस्लिम जमात मस्जिद में जनाजे की नमाज पढ़ी जाएगी। इसके बाद सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

आईएमडीबी ने मोस्ट अवेटेड फिल्मों की लिस्ट जारी की

मुंबई (वार्ता)। आईएमडीबी ने वर्ष 2023 के पहले छह महीने में रिलीज होने वाली मोस्ट अवेटेड फिल्मों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें शाहरुख खान की फिल्म जवान को पहली पोजिशन मिली है। शाहरुख खान की आने वाली फिल्म जवान आईएमडीबी की लिस्ट में पहली पोजिशन पर है। फिल्म जवान को एटली निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म 02 जून 2023 को रिलीज होगी। इस लिस्ट में दूसरी पोजिशन रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल को मिली है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही यह फिल्म 11 अगस्त 2023 को रिलीज होगी। आदिपुरुष को इस लिस्ट में तीसरी रैंक मिली है। ओम राउत के निर्देशित इस फिल्म में प्रभास, सैफ अली खान और कृति सैनन की अहम भूमिका है। यह फिल्म 16 जून 2023 को रिलीज होगी। आईएमडीबी की टॉप टेन की लिस्ट में गदर 2, छापति, मैदान, योद्धा,रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, हनुमान और कस्टडी शामिल है।

ड्रीम गर्ल 2 का नया वीडियो जारी

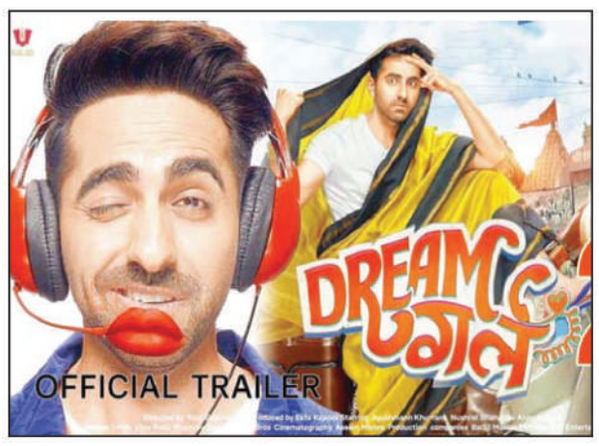

मुंबई (आईएएनएस)। अपकमिंग आयुष्मान खुराना-स्टारर फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का नया प्रमोशनल वीडियो जारी किया गया है। वीडियो में, आयुष्मान खुराना के किरदार पूजा और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के बीच बात होती नजर आ रही है। हालांकि, सलमान की सिर्फ आवाज सुनाई दे रही है, वह दिखाई नहीं दे रहे हैं। भाईजान और पूजा के बीच रोमांटिक बातचीत हो रही है। फोन पर भाईजान पूजा के चेहरे की झलक दिखाने को कहते है।

जैसे ही पूजा भाईजान के साथ वीडियो कॉल पर आती है, कमरे की लाइट चली जाती है। फैंस भाईजान और पूजा का चेहरा देखने से चूक जाते हैं। यह तीसरा प्रमोशनल वीडियो है, पिछले वीडियो में पठान और रॉकस्टार थे। फिल्म, जो खुराना की 2019 की हिट ड्रीम गर्ल का सीक्वल है, में आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे के बीच शानदार केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित, ड्रीम गर्ल 2 राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित है, और 7 जुलाई, 2023 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

छह से अधिक भाषा बोल सकती हैं

पूजा हेगड़े

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा हेगड़े का कहना है कि वह छह से अधिक भाषा बोल सकती है। पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी फिल्म किसी का भाई किसी का जान का प्रमोशन में व्यस्त है। पूजा हेगड़ ने बताया कि वह छह से अधिक भाषाएं बोल सकती है। पूजा हेगड़े ने बताया कि वह अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु, तुलु ,कन्नड़ तमिल और मराठी बोल सकती है। उन्होने कहा, मेरे लिए, उन भाषाओं को जानना महत्वपूर्ण है जिनमें मैं काम करती हूं क्योंकि मेरा मानना है कि यह मुझे एक बेहतर अभिनेत्री बनाता है।

संक्षिप्त खबरें

हिंदुस्तान जिंक को 2,583 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) का खर्च बढने से मार्च तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ 11.78 प्रतिशत घटकर 2,583 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शुक्रवार को जनवरी-मार्च 2023 तिमाही के नतीजों की सूचना शेयर बाजार को देते हुए कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 2,928 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में एचजेडएल की कुल आय भी साल भर पहले के 9,074 करोड़ रुपये से घटकर 8,863 करोड़ रुपये पर आ गई। हालांकि आलोच्य अवधि में कंपनी का व्यय मार्च, 2022 की तिमाही के 4,717 करोड़ रुपये से बढकर 5,358 करोड़ रुपये हो गया। इसके साथ ही कंपनी ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने संदीप मोदी को मुख्य वित्तीय अधिकारी नियुक्त करने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है। मोदी की नियुक्ति 21 अप्रैल से प्रभावी होगी।

पावर मेक को मिले 720 करोड़ रुपये के ऑर्डर

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा एवं निर्माण कंपनी पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उसे कुल 720 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजनाओं के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि उसे उत्तराखंड में पेयजल निगम के लिए एक सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण के लिए 362 करोड़ रुपये की लागत वाली एक परियोजना का ठेका मिला है। इसके अलावा मध्य प्रदेश के इंदौर में एमपीपीकेडवीवीसीएल (मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि.) की नवीनीकृत वितरण क्षेत्र योजना के तहत उसे 162 करोड़ रुपये मूल्य का एक ऑर्डर भी उसे मिला है। पावर मेक ने कहा कि 106 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजना उसे इस्पात कंपनी जेएसपीएल से ओडिशा में मॉनेट इस्पात के कार्यों के लिए मिली है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और राजस्थान में भी उसे 90 करोड़ रुपये मूल्य के कुछ ऑर्डर मिले हैं।

होण्डा मोटरसाइकिल ने दो नये मॉडल लांच किये

लखनऊ। होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने उत्तर प्रदेश में अपने दो नए मॉडलों एसपी 125 और एक्टिवा 125 की उपलब्धता की घोषणा की है। कंपनी के प्रेसीडेंट तसुतुसुमु ओतानी ने लखनऊ में नए ज़ोनल ऑफिस के उद्घाटन के अवसर पर इसकी घोषणा की। नया ऑफिस डीलरशिप स्तर पर टेकनिकल कौशल को बढ़ावा देकर कस्टमर सर्विस को बेहतर बनाएगा। कंपनी अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार जारी रखे हुए है और राज्य में अपने 655 से अधिक टचपॉइन्ट्स के ज़रिए उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करते हुए अपनी मौजूदगी को लगातार सशक्त बना रही है।

टाटा एआईए लाइफ फार्च्यून गारंटी पेंशन प्लान

मुंबई। अग्रणी जीवन बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने अपने प्रमुख एन्युटी ;जीवन भर तक गारंटीड इनकम प्लान टाटा एआईए लाइफ फॉर्च्यून गारंटी पेंशन का और भी प्रभावकारी वर्ज़न प्रस्तुत किया है। इस नए वर्ज़न में अधिक ज़्यादा एन्युटी दर और डेथ बेनिफिट्स जैसे कुछ महत्वपूर्ण सुधारों को शामिल किया गया है। इस योजना के लाभ लेकर ग्राहक सेवानिवृत्त होने के बाद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और चिंतामुक्त होकर अपनी ज़िन्दगी के सुनहरे पलों का आनंद ले सकेंगे। कंपनी के समित उपाध्याय ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टाटा एआईए लाइफ फॉर्च्यून गारंटी पेंशन योजना सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय आत्मनिर्भरता पाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक उत्कृष्ट वित्तीय उपकरण है।

सिम्फनी ने पहली एयर कूलर रेंज लॉन्च की

अहमदाबाद। सिम्फनी लिमिटेड ने बीएलडीसी टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित दुनिया की सबसे पहली एयर कूलर रेंज लॉन्च की। अत्यधिक ऊर्जा कुशल ऐसी बीएलडीसी एयर कूलर रेंज अन्य कूलरों की तुलना में 60 प्रतिशत तक कम बिजली की खपत करते है, जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष दो हजार रुपये तक की ऊर्जा की बचत होती है। कंपनी ने बीएलडीसी रेंज में 80 लीटर, 55 लीटर और 30 लीटर क्षमता के 3 मॉडल लॉन्च किए है। सिम्फनी कूलर्स इस तरह से बनाए गए है जो प्रति वर्ष 18 पेड़ लगाने के बराबर कार्बन फुटप्रिंट को कम करते है और एयर कंडीशनर की तुलना में केवल 10 प्रतिशत ऊर्जा की खपत करते है। *(एजेंसियां)*

शाओमी से 5,551 करोड़ रुपए वसूलने का आदेश बरकरार

■ उच्च न्यायालय ने फेमा उल्लंघन के मामले में दिया आदेश

बेंगलुरू (भाषा)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) का उल्लंघन करने के मामले में शाओमी इंडिया से 5,551.27 करोड़ रुपये वसूल करने के आदेश को शुक्रवार को बरकरार रखा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह राशि कंपनी के खाते से जब्त की थी और इस कदम को सक्षम प्राधिकार ने उचित माना था। शाओमी ने सक्षम प्राधिकार के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने इस याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि फेमा की धारा 37ए के तहत यह कदम वैध है। हालांकि उन्होंने शाओमी को अपीलीय न्यायाधिकरण का दरवाजा खटखटाने और धारा 37ए(5) के तहत सक्षम प्राधिकार के आदेश को चुनौती देने की मंजूरी दी।

शाओमी इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'हम मामले की जानकारी ले रहे हैं और लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं। हम दोहराना चाहते हैं कि भारत में हमारे परिचालन सभी स्थानीय नियम-कानूनों के अनुरूप हैं।' ईडी ने फेमा नियमों का कथित उल्लंघन करने और भारत से बाहर की तीन कंपनियों को रॉयल्टी की आड़ में पैसा भेजने के मामले में 2022 में शाओमी के खातों से 5,551.27 करोड़ रुपये जब्त करने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ कंपनी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि अदालत ने उसे फेमा के तहत सक्षम प्राधिकार के पास जाने को कहा था। इसके बाद, सक्षम प्राधिकार ने भी जब्ती के कदम को उचित ठहराया था।

अक्षय तृतीया से पहले सोने में 430 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली (भाषा)। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 430 रुपये टूटकर 60,550 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी।

पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 670 रुपये की गिरावट के साथ 75,080 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ

■ चांदी 670 रुपए फिसली

गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि अक्षय तृतीया पर खुदरा मांग में सुधार होने की संभावना है। इस दिन कीमती सामान और सोना खरीदने का शुभ दिन माना जाता है। अक्षय तृतीया शनिवार को है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,988 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी भी घटकर 25.12 डॉलर प्रति औंस पर रही।

कोका-कोला का केरल सरकार को 35 एकड़ जमीन लौटाने का प्रस्ताव

तिरुवनंतपुरम (भाषा)। बहुराष्ट्रीय पेय कंपनी कोका कोला ने केरल सरकार को पलक्कड़ जिले में स्थित अपनी 35 एकड़ जमीन वापस करने की पेशकश की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि हिंदुस्तान कोका कोला बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुआन पाब्लो रोड्रिग्ज ट्रोवेटो ने उक्त जानकारी दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को पत्र लिखकर बताया कि कंपनी ने जमीन और वहां की इमारत राज्य सरकार को सौंपने का फैसला किया है। सत्तारूढ़ वाम मोर्चे ने पहले ही किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को जमीन देने के लिए बातचीत शुरू कर दी है। एफपीओ का संचालन किसान करेंगे। बिजली मंत्री के कृष्णनकुट्टी की अगुवाई में हुई बातचीत के बाद कोका-कोला आखिरकार जमीन देने को तैयार हो गई। स्थानीय लोगों ने संयंत्र को लेकर पर्यावरण प्रदूषण और भूजल के दोहन की शिकायत की थी, जिसके बाद कोका-कोला ने मार्च 2004 में पलक्कड़ जिले के प्लाचीमाडा में स्थित अपनी इकाई को बंद कर दिया था।

मुद्रास्फीति काबू करने को जारी रहेगी सख्ती

■ मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि मौद्रिक नीति का असर दिख रहा है और महंगाई में पर्याप्त कमी आई है। लेख में यह भी कहा गया है कि जब तक मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य तक नहीं पहुंच जाती, तब तक सख्ती जारी रहेगी।

सरकार ने आरबीआई से यह जिम्मेदारी दी है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ के साथ चार प्रतिशत पर रहे। मुद्रास्फीति जनवरी-फरवरी 2023 में छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर थी। हालांकि, इससे पहले नवंबर-दिसंबर 2022 में खुदरा महंगाई के अस्थाई रूप से छह प्रतिशत के दायरे में आने से राहत मिली थी।

केंद्रीय बैंक ने महंगाई पर काबू पाने के लिए मई 2022 से ब्याज दर में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि की। हालांकि इस महीने की शुरुआत में हुई समीक्षा में दर नहीं बढ़ाई गई। इस साल मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति 15 महीने के निचले स्तर 5.66 प्रतिशत पर आ गई।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई में एक दल ने इस लेख को लिखा है। इसमें कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक स्थिति अत्यधिक अनिश्चितता से घिरी हुई है। लेख के मुताबिक भारत में सकल मांग की स्थिति मजबूत बनी हुई है। मांग को होटल जैसे संपर्क से जुड़े सेवा क्षेत्रों से समर्थन मिल रहा है। इसमें आगे कहा गया कि रबी फसल अच्छी होने की उम्मीद, बुनियादी ढांचे पर जोर और चुनिंदा क्षेत्रों में कॉरपोरेट निवेश बढ़ने के कारण अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत हैं।

आरबीआई बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक वाले लेख में कहा गया है, 'मौद्रिक नीति असरदार है। महंगाई में पर्याप्त कमी हो चुकी है, लेकिन मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के लक्ष्य पर या उसके करीब लाने तक सख्ती जारी रहेगी।' लेख में कहा गया है कि मौद्रिक नीति के तहत उठाये गये कदमों से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति इस साल मार्च में कम होकर 5.7 प्रतिशत पर आ गयी जो अप्रैल 2022 में 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गयी थी। इसमें आगे और कमी आने तथा 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 5.2 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है।

टिम कुक, सुनील मित्तल ने भारत अफ्रीका में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई

■ नई दिल्ली (भाषा)।

एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने भारती समूह के संस्थापक और चेयरमैन सुनील मित्तल से मुलाकात की। भारती समूह ने शुक्रवार को कहा कि दोनों कारोबारी दिग्गजों ने भारत और अफ्रीका के बाजार में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। एप्पल ने इस सप्ताह भारत में अपने पहले दो आधिकारिक स्टोर खोले हैं।

भारती समूह ने एक बयान में कहा, 'टिम कुक और सुनील भारती मित्तल ने आज सुबह एक घंटे तक बैठक की। एप्पल और एयरटेल के बीच जारी लंबे रिश्ते पर संतोष जताते हुए उन्होंने भारतीय और अफ्रीकी बाजार में मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।' कुक ने 18 अप्रैल को मुंबई में पहले और 20 अप्रैल को दिल्ली में दूसरे एप्पल स्टोर का उद्घाटन किया। एप्पल ने भारत में परिचालन के 25 साल पूरे कर लिए हैं।

फिजिक्सवाला करेगी एक करोड़ डॉलर का निवेश

■ मुंबई (भाषा)।

■ देश के दस राज्यों के 39 स्कूलों में कंपनी संचालित कर रही है कार्यक्रम

■ कंपनी की योजना 2025-26 तक 300 स्कूलों में विद्यापीठ कार्यक्रम शुरू करने की योजना

ऑनलाइन शिक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला की अपने स्कूल-एकीकृत कार्यक्रम 'विद्यापीठ स्कूल' में चरणबद्ध तरीके से एक करोड़ डॉलर (लगभग 82 करोड़ रुपये) निवेश करने की योजना है। अभी यह कार्यक्रम 39 स्कूलों में चल रहा है। फिजिक्सवाला के उपाध्यक्ष इमरान राशिद ने बताया, "विद्यापीठ स्कूल सेंटर एक स्कूल-एकीकृत कार्यक्रम है। इसमें सीबीएसई परीक्षा, जेईई और नीट की तैयारी के लिए आवश्यक अवधारणाओं और कौशल को नियमित कक्षा निर्देशों में शामिल किया गया है। इससे छात्रों को अलग से कोचिंग लेने की जरूरत नहीं पड़ती।"

उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, असम, झारखंड, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा समेत देश के दस राज्यों के 34 जिलों के 39 स्कूलों में चलाया जा रहा है। राशिद ने कहा, "हमारी योजना चरणबद्ध तरीके से एक करोड़ डॉलर निवेश करने की है जिसमें से 50 लाख डॉलर का उपयोग स्कूलों में बुनियादी ढांचा विकास में और बाकी के 50 लाख डॉलर का इस्तेमाल उत्तम श्रेणी की सामग्री तैयार करने में किया जाएगा।"

कंपनी की योजना 2025-26 तक 300 स्कूलों में विद्यापीठ कार्यक्रम शुरू करने की है। वह दूरदराज के क्षेत्रों, तीसरी से पांचवी श्रेणी के शहरों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विस्तार करना चाहती है।

पेट्रोल की तुलना में ई.स्कूटर पर्यावरण के अनुकूल : एथर एनर्जी

लखनऊ। देश के इलेक्ट्रिक स्कूटर ब्रांड एथर एनर्जी ने आज एक रिपोर्ट जारी की जिसमें पेट्रोल वाले स्कूटर की तुलना में ईवी के पर्यावरणीय लाभों को बताया है। इस रिपोर्ट में 110सीसी पेट्रोल स्कूटर की तुलना में इलेक्ट्रिक स्कूटर के जीवनचक्र में कार्बन उत्सर्जन में 38 फीसद की कमी दिखायी गयी है। इस रिपोर्ट के अनुसार एथर एनर्जी ने आईसीसीटी रिपोर्ट में बैटरी पैक बदलने पर भी विचार किया है। फिर भी 2 बैटरी पैक के हिसाब से एक ई.स्कूटर से जीवन भर का उत्सर्जन अभी भी 110 सीसी स्कूटर की तुलना में 35 प्रतिशत कम होगा। बैटरी पैक जो खराब होने या कमज़ोर पड़ने की स्थिति में आ जाए उसे ए रिपोर्ट के हिसाब से पुनर्नवीनीकरण किया जा सकता है या ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

एथर एनर्जी के सीईओ तरुण मेहता ने कहा यह रिपोर्ट सभी को यह समझाने का एक प्रयास है कि कैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर न केवल प्रदर्शन और स्वामित्व में बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी पेट्रोल स्कूटरों पर एक बेहतर अपग्रेड है।

भारत में कुल वाहन बिक्री में दुपहिया वाहनों का दबदबा है, और यदि कोई ईंधन खपत मानक नहीं रखा गया है और इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का अनुपात न के बराबर रहता है तो अकेले भारत के दोपहिया वाहनों से टेलपाइप कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन 2050 तक 120 मेगाटन तक पहुंचने का अनुमान है। अंत में यह रिपोर्ट एक साफसुथरे और सुंदर कल के लिए ईवी को अपनाने पर ज़ोर देती है और नीति निर्माताओं को 2050 तक नेट शून्य के ट्रैक पर रहने के लिए दोपहिया वाहनों के विद्युतीकरण का समर्थन करने के लिए सिफारिश करती है।

रुपया आठ पैसे की तेजी के साथ 82.09 प्रति डॉलर पर

■ मुंबई (भाषा)।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे की तेजी के साथ 82.09 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.11 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में आठ पैसे की तेजी के साथ 82.09 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपये में 82.07 के उच्चस्तर और 82.19 के निचले स्तर के बीच घटबढ हुई। बृहस्पतिवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 82.17 पर बंद हुआ था।

इससे पिछले दो कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे मजबूत हुआ है।

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत बढकर 101.89 हो गया।

देश में प्रमुख बंदरगाहों ने रिकॉर्ड 79.5 करोड़ टन माल संभाला

■ नई दिल्ली (भाषा)।

देश के प्रमुख बंदरगाहों ने 2022-23 में 79.5 करोड़ टन माल संभाला, जो अब तक का सर्वाधिक है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में सचिव सुधांश पंत ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लगभग 5,000 करोड़ रुपये के लेनदेन के साथ पोत परिवहन मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए तय 3,700 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति को बाजार पर चढाने (मौद्रिकरण) के लक्ष्य को पार कर लिया है।

पंत ने यह भी कहा कि अगले सप्ताह बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भारत के बंदरगाहों को हरा-भरा बनाने के लिए 'हरित बंदरगाह' की शुरुआत करेंगे। पंत ने कहा, "हमारे प्रमुख बंदरगाहों ने बीते वित्त वर्ष में अब तक सर्वाधिक 79.5 करोड़ टन माल को संभाला है। यह पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है।'

देश के 12 प्रमुख बंदरगाह - दीनदयाल (कांडला), मुंबई, मुरगांव, न्यू मैंगलोर, कोचीन, चेन्नई, एन्नोर (कामराजार), तूतीकोरिन (वी ओ चिदंबरनार), विशाखापत्तनम, पारादीप, कोलकाता (हल्दिया सहित) और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह हैं।

उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह (कोलकाता), दीनदयाल बंदरगाह जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह और पारादीप बंदरगाह ने रिकार्ड कार्गो संभाला।

RBI का एचडीएफसी बैंक को किसी भी तरह की ढील देने से इनकार

■ मुंबई (भाषा)।

■ एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय की स्थिति में बैंक को सभी नियामकीय मानकों का पालन करना होगा

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक को रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय की स्थिति में उसे नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) और वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) की जरूरी शर्तों में किसी भी तरह की ढील देने से मना कर दिया है।

देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजारों को रिजर्व बैंक के इस निर्णय की जानकारी दी। इसके मुताबिक, रिजर्व बैंक ने बैंक को विलय की स्थिति में सीआरआर और एसएलआर से संबंधित नियामकीय मानकों का पालन करने को कहा है।

हालांकि केंद्रीय बैंक ने वरीयता वाले क्षेत्रों को कर्ज देने से जुड़े प्रावधानों में थोड़ी रियायत देने की बात कही है।

एचडीएफसी बैंक का आवासीय ऋणदाता एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय की घोषणा गत वर्ष अप्रैल में की गई थी। करीब 40 अरब डॉलर के इस विलय को भारतीय कंपनी जगत का सबसे बड़ा सौदा बताया जा रहा है।

हालांकि इस प्रस्तावित विलय को अभी नियामकीय मंजूरियां मिलनी बाकी हैं। इसी क्रम में बैंक ने रिजर्व बैंक से सीआरआर और एसएलआर पर कुछ रियायतें देने का अनुरोध किया था।

एचडीएफसी बैंक ने अपने पत्र में कहा है कि उसे कुछ बिंदुओं पर रिजर्व बैंक के विचार मिल गए हैं जबकि अभी कुछ बिंदुओं पर स्पष्टता आने का इंतजार है।

बैंक ने कहा, 'एचडीएफसी बैंक सीआरआर, एसएलआर और नकदी कवरेज अनुपात (एलसीआर) से जुड़ी नियामकीय शर्तों का विलय की प्रभावी तिथि से ही पालन करना जारी रखेगा।' सीआरआर बैंकों की जमाओं का वह प्रतिशत होता है जिसे बैंकों को केंद्रीय बैंक के पास रखना होता है और उन्हें उस पर कोई ब्याज नहीं मिलता है। वहीं एसएलआर जमाओं का वह हिस्सा होता है जिसे अनिवार्य रूप से सरकारी प्रतिभूतियों में लगाना होता है।

एचडीएफसी बैंक के मुताबिक, आरबीआई ने एचडीएफसी की अनुषंगियों एवं सहायक कंपनियों के निवेशों को विलय के बाद एचडीएफसी बैंक के निवेश के तौर पर मान्यता देने पर भी सहमति जताई है। एचडीएफसी बैंक ने पिछले हफ्ते विश्लेषकों के साथ चर्चा के दौरान उम्मीद जताई थी कि विलय की प्रक्रिया पर उसे जुलाई तक नियामकीय मंजूरियां मिल जाएंगी।

रिलायंस जियो को 4716 करोड़ का शुद्ध मुनाफा

नई दिल्ली (भाषा)। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो का मार्च 2023 की तिमाही में शुद्ध लाभ 13 प्रतिशत बढ़कर 4,716 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस जियो ने शुक्रवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि एक साल पहले समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 4,173 करोड़ रुपये रहा था।

रिलायंस जियो के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी परिचालन आय करीब 12 प्रतिशत बढ़कर 23,394 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले साल 2021-22 की समान अवधि में यह 20,945 करोड़ रुपये थी। गत 31 मार्च को समाप्त समूचे वित्त वर्ष (2022-23) में रिलायंस जियो का शुद्ध लाभ 18,207 करोड़ रुपये रहा जो वर्ष 2021-22 के 14,817 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 23 प्रतिशत अधिक है।

समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी की परिचालन आय भी करीब 18 प्रतिशत वृद्धि के साथ 90,786 करोड़ रुपये हो गई। यह वित्त वर्ष 2021-22 में 76,977 करोड़ रुपये रही थी।

भारत की आर्थिक वृद्धि का हिस्सा बनना चाहता है अमेरिका

■ वाशिंगटन (भाषा)।

■ अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री ने कहा भारत जितनी अधिक तरक्की करेगा दुनिया के लिए उतना ही अच्छा होगा

भारत जितनी अधिक तरक्की करेगा, यह भारत के लिए, अमेरिका के लिए और दुनिया के लिए उतना ही बेहतर होगा। बाइडन प्रशासन में दक्षिण एशिया के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक तेजी से बढ़ रहा है और इस समय 3,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है। देश ने एक दशक में 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने बृहस्पतिवार को कहा, 'हम आपकी आर्थिक वृद्धि का हिस्सा बनना चाहते हैं। 'उन्होंने कहा, 'हम अर्थव्यवस्था को समावेशी रूप से विकसित करने के भारत के लक्ष्य का पुरजोर समर्थन करते हैं। भारत जितनी अधिक तरक्की करेगा, यह भारत के लिए, अमेरिका के लिए और दुनिया के लिए उतना ही अच्छा होगा। एक समृद्ध भारत के पास जलवायु परिवर्तन और भविष्य की महामारियों जैसी वैश्विक समस्याओं से निपटने के लिए अधिक संसाधन होंगे। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में दो लाख से अधिक भारतीय पढ़ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भारत के वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में सात फीसदी की वृद्धि हुई है।

चेन्नई में आईपीएल सीजन 16 के 29वें मैच के दौरान येलो आर्मी यानी की चेन्नई सुपर किंग्स का सपोर्ट करते टीम के फैन्स। मैच के दौरान पूरा स्टेडियम सीएसके के रंग में रंगा नजर आया। इस दौरान फैन्स ने कुछ इस तरह से टीम को चीयर किया, जिसमें चीयरलीडर्स और युवाओं समेत एक नन्हे प्रशंसक ने भी अपनी अदाओं से लोगों का दिल जीत लिया।

सुपर किंग्स की जीत से चेन्नई पर चढ़ा येलो फीवर

- आईपीएल सीजन 16 के 29वें मैच में हैदराबाद को 7 विकेट से दी शिकस्त
- आठ अंकों के साथ अंक तालिका में नंबर 3 पर पहुंची धोनी की येलो आर्मी
- रवींद्र जडेजा (3 विकेट) और डी कान्वे (नाबाद 77 रन) ने बिखेरा जलवा

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2023 में अपनी चौथी जीत हासिल कर ली है। एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में सीएसके ने सनराइजर्स हैदराबाद को आठ गेंद बाकी रहते सात विकेट से हरा दिया। सीएसके की जीत के हीरो ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ओपनर डेवोन कॉन्वे रहे। जडेजा ने तीन विकेट लिए, वहीं कॉन्वे ने नाबाद 77 रनों की पारी खेली।

इस जीत के बावजूद सीएसके की टीम अंक तालिका में तीसरे नंबर पर है। सीएसके ने छह में से चार मुकाबले जीते हैं और दो में उसे हार मिली है। टॉप पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के भी सीएसके के बराबर 8-8 अंक हैं, लेकिन इन दोनों टीमों का नेट-रनरेट सीएसके से बेहतर है। 135 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए चेन्नई की शुरुआत काफी शानदार रही। न्यूजीलैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले डेवोन कॉन्वे ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 11 ओवर्स में 87 रनों की साझेदारी की। इस पार्टनरशिप में कॉन्वे का योगदान ज्यादा रहा। कॉन्वे ने पारी के छठे ओवर में मार्को जानसेन की गेंदों पर कुल 22 रन बटोरे।

सनराइजर्स को पहला विकेट ऋतुराज गायकवाड़ के रूप में मिला, जो रनआउट हुए। गायकवाड़ ने दो चौके की मदद से 30 गेंदों पर 35 रन बनाए। सीएसके ने इसके बाद अजिंक्य रहाणे और अंबति रायडू का भी विकेट गंवाया, लेकिन डेवोन कॉन्वे अंत तक डटे रहे और उन्होंने सीएसके को आसान जीत दिलाई। कॉन्वे ने 57 गेंदों की पारी में 12 चौके और एक छक्का लगाया।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4/6
ब्रूक कै. गायकवाड बो. आकाश	18	13	3/0
अभिषेक कै. रहाणे बो. जडेजा	34	26	3/1
त्रिपाठी कै. आकाश बो. जडेजा	21	21	1/1
मारर्कम कै. धोनी बो. थीक्षणा	12	12	1/0
क्लासेन कै. गायकवाड बो. पथिराना	17	16	1/0
मयंक स्टंप. धोनी बो. जडेजा	02	04	0/0
मार्को यानसन नाबाद	17	22	1/0
वॉशिंगटन सुंदर रन आउट	09	06	1/0

अतिरिक्त: 4, कुल: 20 ओवर में सात विकेट पर 134 रन **विकेट पतन:** 1-35, 2-71, 3-84, 4-90, 5-95, 6-116, 7-134 **गेंदबाजी:** आकाश सिंह 3-0-17-1, तुषार देशपांडे 3-0-26-0, महीश थीक्षणा 4-0-27-1, मोईन अली 2-0-18-0, रवींद्र जडेजा 4-0-22-3, मथीशा पथिराना 4-0-22-1,

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
ऋतुराज रन आउट	35	30	2/0
डेवन कॉन्वे नाबाद	77	57	12/1
रहाणे कै .मारर्कम बो. मयंक	09	10	0/0
अंबाती रायुडू बो. मयंक	09	09	1/0
मोईन अली नाबाद	06	06	1/0

अतिरिक्त: 2, कुल: 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 138 रन **विकेट पतन:** 1-87, 2-110, 3-122, **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर कुमार 2-0-10-0, मार्को यानसन 3-0-37-0, एडम मारर्कम 1-0-11-0, वॉशिंगटन सुंदर 2.4-0-16-0, मयंक मार्कंडेय 4-0-23-2, उमरान मलिक 3-0-18-0, मयंक डागर 3-0-21-0,

डेवोन कॉन्वे
77 रन 57 गेंद 12 चौके 1 छक्का

किंग्स का शिकार करने उतरेगी रेड-हॉट मुंबई

मुंबई Vs पंजाब शाम 7.30 बजे से

मुंबई। एक लोकप्रिय मेमे टेम्प्लेट है, यह कैसे शुरू हुआ और यह कैसे चल रहा है। आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस का अब तक का सफर इस पर बिल्कुल फिट बैठता है। उन्होंने लगातार तीन जीत के साथ वापसी करने से पहले दो करारी हार के साथ सीज़न की शुरुआत की।

उन दोनों हार से पहले भी उसकी बल्लेबाजी कागज पर दमदार नजर आ रही थी, लेकिन कैमरन ग्रीन और सूर्यकुमार यादव के रनों की कमी ने काम में बाधा डाली। किंग्स एक बार फिर धवन के बिना होगी। गुरुवार को उनके क्षेत्ररक्षण कोच ट्रेवर गोंजाल्विस ने कहा कि धवन को पूरी तरह से फिट होने में कम से कम दो से तीन दिन और लगेंगे। जोफ्रा आर्चर के बारे में मुंबई आशान्वित होगी।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स का मुक़ाबला हमेशा बराबरी का ही रहा है। दोनों टीमों के बीच आईपीएल में अब तक 29 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 15 में मुंबई और 14 में पंजाब ने जीत हासिल की है। यह मुक़ाबला मुंबई के होमग्राउंड पर है, जहां मुंबई की टीम नौ मैचों में 5-4 से आगे है। 2019 से अब तक खेले गए सात मुक़ाबलों में पंजाब ने 4-3 से बाज़ी मारी है। इस साल के प्रदर्शन की बात करें तो दोनों टीमों ने तीन-तीन मैचों में जीत हासिल की है, लेकिन मुंबई ने इसके लिए पांच और पंजाब ने छह मैच लिए हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

मुंबई इंडियंस (संभावित) इलेवन

1 रोहित शर्मा (कप्तान), 2 ईशान किशन (विकेटकीपर), 3 कैमरन ग्रीन, 4 सूर्यकुमार यादव, 5 तिलक वर्मा, 6 टिम डेविड, 7 नेहाल वढेरा, 8 रिले मेरेडिथ, 9 अर्जुन तेंदुलकर, 10 ऋतिक शौकीन, 11 पीयूष चावला/जेसन बेहरेनडॉर्फ।

पंजाब किंग्स (संभावित) इलेवन

1 अथर्व तायडे, 2 प्रभसिमरन सिंह, 3 लियाम लिविंगस्टोन, 4 हरप्रीत सिंह, 5 रजा, 6 जितेश शर्मा (विकेटकीपर), 7 एम शाहरुख खान, 8 सैम क्यूरन (कप्तान), 9 हरप्रीत बराड़, 10 कगिसो रबाडा/नाथन एलिस, 11 अर्शदीप सिंह/राहुल चाहर।

कैसा रहेगा पिच का मिजाज

आंकड़ों की माने तो वानखेड़े की पिच का मिजाज चेसिंग करने वाला रहा है। 2021 की शुरुआत के बाद से बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने इस स्थान पर खेले गए 32 नाइट टी20 मैचों में से 22 में जीत हासिल की है। इस आईपीएल में यहां स्पिनर ज्यादा सफल रहे। उनके पास 7.64 की इकॉनमी से 13 विकेट हैं, जबकि तेज गेंदबाजों के पास 10.17 की इकॉनमी से नौ विकेट।

क्या कहते हैं मैच को लेकर आंकड़े

- रोहित शर्मा और इशान किशन ने आईपीएल 2023 में मुंबई को शानदार शुरुआत दी है। उन जोड़ियों में से जिन्होंने इस सीजन में कम से कम तीन बार ओपनिंग की है। रोहित और किशन की 9.61 की स्कोरिंग दर जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल की 9.75 के बाद दूसरे स्थान पर है।
- कगिसो रबाडा के खिलाफ रोहित 74 गेंदों में चार आउट के साथ केवल 89 रन ही बना सके हैं। किशन ने हालांकि केवल एक बार आउट होने के दौरान 42 गेंदों में 70 रन बनाकर तेज गेंदबाज की धुनाई की।
- इस सीज़न में अब तक किंग्स ने तीन मौकों पर पावरप्ले के अंदर तीन या अधिक विकेट गंवाए हैं, जो कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ एक टीम के लिए संयुक्त रूप से सबसे अधिक है।

आंकड़े टाइटंस के पक्ष में, लेकिन सुपर जायंट्स को घर में हरा पाना मुश्किल

गुजरात Vs लखनऊ दोपहर 3.30 बजे से

लखनऊ। आईपीएल सीजन 16 में शनिवार को डबल हेडर के पहले मुक़ाबले में दो सबसे नई टीमें गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स एक-दूसरे के आमने-सामने होंगी। लखनऊ की टीम ने इस सीज़न अपने छह मुक़ाबले खेल लिए हैं, जिसमें उन्हें चार में जीत और दो में हार मिली है और वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं गत विजेता गुजरात की टीम के नाम पांच मैचों में तीन जीत और छह अंक हैं और वे अभी चौथे पायदान पर हैं। वे इस मुक़ाबले को जीतकर अंक तालिका में और ऊपर चढ़ना चाहेंगे। दोनों टीमों के बीच पिछले साल दो मुक़ाबले हुए थे और दोनों में गुजरात ने बड़ी जीत हासिल की थी।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस सीज़न में अपने घर में खेले गए तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की है। हालांकि दोनों पिचें बहुत अलग थीं। दिल्ली के खिलाफ, यह एक लाल मिट्टी की पिच थी, जहां मार्क वुड ने अपनी तेज गति से पांच विकेट लिए। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, यह एक काली मिट्टी की सतह थी, जहां सुपर जायंट्स के स्पिनर पनपे थे। क्रुणाल पांड्या ने तीन और अमित मिश्रा ने दो विकेट चटकाए। रवि बिश्नोई ने सिर्फ एक विकेट चटकाया, लेकिन अपने चार ओवरों में सिर्फ16 रन दिए।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

लखनऊ सुपर जायंट्स (संभावित) एकादश

1 केएल राहुल (कप्तान), 2 काइल मेयर/क्विंटन डी कॉक, 3 दीपक हुड्डा, 4 क्रुणाल पांड्या, 5 मार्कस स्टोइनिस, 6 निकोलस पूरन (विकेटकीपर), 7 आयुष बडोनी, 8 युधवीर सिंह, 9 रवि बिश्नोई, 10 अवेश खान, 11 नवीन-उल-हक/मार्क वुड/अमित मिश्रा।

गुजरात टाइटंस (संभावित) एकादश

1 शुभमन गिल, 2 रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), 3 बी साई सुदर्शन, 4 हार्दिक पांड्या (कप्तान), 5 डेविड मिलर, 6 राहुल तेवतिया, 7 विजय शंकर, 8 राशिद खान, 9 अल्जारी जोसेफ, 10 मोहम्मद शमी, 11 मोहित शर्मा/जोश लिटिल/नूर अहमद।

मैच से जुड़े रोचक तथ्य व आंकड़े

2-1 : आईपीएल में हार्दिक ने दो मैचों में क्रुणाल का सामना किया है। इस बीच वे एक बार आउट हुए है और 13 गेंदों पर दस रन ही बना पाए है।

63 : राशिद के खिलाफ निकोलस पूरन का 63 का स्ट्राइक रेट टी20 में किसी भी बल्लेबाज के लिए सबसे कम है, जिसने राशिद की कम से कम 40 गेंदों का सामना किया है।

19 : सुपरजाइंट्स ने इस सीजन में आखिरी पांच ओवरों में 19 विकेट लिए हैं, जो किसी भी टीम के लिए सबसे ज्यादा हैं। इस चरण में उनकी 9.7 की इकॉनमी लीग में संयुक्त रूप से दूसरी सर्वश्रेष्ठ है।

चेन्नई और अहमदाबाद में होंगे आईपीएल के प्लेऑफ और फाइनल

मुंबई। बीसीसीआई ने आईपीएल 2023 के प्लेऑफ और फाइनल के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। बीसीसीआई ने बताया कि प्लेऑफ और फाइनल 23 मई से 28 मई तक चेन्नई और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। क्वॉलीफायर एक 23 मई को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा और इसी स्टेडियम में 24 मई को एलिमिनेटर होगा। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम 26 मई को क्वालीफायर दो और 28 मई को फाइनल की मेजबानी करेगा।

भोपाल कनमड़ीकर ट्रॉफी के सेमी में

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत फेथ मैदान रातीबड़ भोपाल में खेले गए एडब्लयू कनमड़ीकर ट्रॉफी अंडर-13 बॉयज में भोपाल संभाग ने उज्जैन संभाग को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। उज्जैन संभाग के कप्तान कुशाग्र नागर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए उज्जैन संभाग ने 90 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 239 रन बनाए।

उज्जैन के लिए कुशाग्र नागर ने 148 रनों की कप्तीन पारी खेली। इसके अलावा मोहित शर्मा ने नाबाद 36 रन ,मोहम्मद फैजल नाबाद पांच रन,आकर्ष शर्मा 12 एवं धनंजय परमार ने 11 रनों का योगदान दिया। भोपाल के लिए अंश यादव ने 3 विकेट ,रूद्र टेंगुरिया व नैतिक जैन दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भोपाल संभाग ने बल्लेबाजी करते हुए 85.2 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 242 रन बनाकर जीत हासिल की। भोपाल संभाग की ओर से आरव मसीह ने सर्वाधिक 46 रन, अक्षत कुमार सिंह व दिशांत पाटीदार ने 29-29 रन, रूद्र टेंगुरिया व नवनीत सोनी ने 28-28 रन एवं साहिल सक्सेना ने 16 रनों का योगदान दिया।

उज्जैन संभाग की ओर से रिदित प्रताप सिंह सिसोदिया आकर्ष शर्मा और परीक्षित धींग ने 2-2 विकेट लिए। इस तरह भोपाल संभाग ने पहली पारी में बढ़त के आधार पर हराया। एमपीसीए के चयनकर्ता रवि कोहली ,उज्जैन संभाग के सचिव कालरा, बीडीसीए के सचिव रजत मोहन वर्मा ,सुभाष बोराना और अभिषेक सिंह की उपस्थिति में उज्जैन के कुशाग्र नागर 148 रन और दो कैच व भापोल के रूद्र टेंगुरिया 28 रन व दो विकेट को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया।

बॉक्सिंग चैंपियनशिप में प्रदेश के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

भोपाल। मप्र बॉक्सिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने गोवा में 15 अप्रैल से 21 अप्रैल तक आयोजित इंटर स्टेट अकादमी सब जूनियर एंड जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। अकादमी के खिलाड़ियों ने छह गोल्ड व चार सिल्वर सहित कुल 10 पदक अपने नाम किये। 67-70 किग्रा वर्ग में भव्य प्रताप चौधरी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया 61-64 किग्रा वर्ग में गोल्ड जीता, जबकि विश्वजीत यादव ने 54-57 किग्रा वर्ग में सोना जीता, वहीं दृष्टि अग्रवाल 46-48 किग्रा वर्ग में गोल्ड पर पंच लगाया। इसके अलावा हिमानी घोडके ने 44-46 किग्रा में अपने विरोधी को चित करते हुए सोना जीता। साथ ही साइना मलिक 80 प्लस वर्ग में अपना परचम लहराते हुए गोल्ड अपने नाम किया। मप्र बॉक्सिंग अकादमी की सजग सक्सेना ने 55-58 किग्रा वर्ग में चांदी जीती। साथ ही लोकेश पाल 48-51 किग्रा, जितेन्द्र जाटव 51-54 किग्रा वर्ग, सुबेध संगोडे 70-75 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

छह गोल्ड सहित जीते 10 पदक

तीरंदाजी : भारत के दो पदक पक्के

अंताल्या। ज्योति सुरेखा वेनम और ओजस देवताले की कम्पाउंड मिश्रित युगल टीम और अतनु दास, बी धीरज और तरुणदीप राय की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने तीरंदाजी विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई। भारत के टूर्नामेंट में अब दो पदक पक्के हो गए हैं। ज्योति और ओजस की जोड़ी ने मलेशिया के फतिन नूरफतेह मेत सालेह और मोहम्मद जुवैदी माजुकी की जोड़ी को 157-154 से हरा कर फाइनल का टिकट कटाया। स्वर्ण पदक के लिए भारतीय जोड़ी का मुकाबला 12वीं वरीय चीनी ताइपे की जोड़ी से होगा।

मिश्रित युगल में ज्योति और उनके 20 वर्षीय जोड़ीदार को क्वॉलीफाइंग में दूसरे स्थान पर रहने के कारण दूसरे दौर में बाई मिली। उन्होंने इसके बाद लक्समबर्ग और फ्रांस के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दो मैचों में जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने इन दोनों मैचों में सिर्फ एक अंक गंवाया। सेमीफाइनल में शुरुआती दो दौर में

भारतीय और मलेशियाई टीम क्रमशः 39 और 40 अंक के साथ बराबरी पर थी। तीसरे दौर में भारतीय जोड़ी ने मेत सालेह और जुवैदी माजुकी के 37 के मुकाबले 39 अंक बना कर बढ़त कायम की। ज्योति और ओजस ने इसके बाद चौथे दौर में भी 39 का स्कोर बना मुकाबला अपने नाम कर लिया। विश्व चैम्पियनशिप की पूर्व रजत पदक विजेता ज्योति महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। देश को उनसे तीसरे पदक की उम्मीद है।

31 मई तक जमा होंगे राज्य स्तरीय खेलवृत्ति के आवेदन

भोपाल। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2023 के राज्य स्तरीय खेलवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। खेलवृत्ति के लिए अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों को 31 मई तक आवेदन जमा करना होंगे। स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को 10 हजार, रजत पदक विजेता को 8 हजार तथा कांस्य विजेता को 6 हजार खेलवृत्ति का प्रावधान है। आवेदन संबंधित जिले के जिला अधिकारी से प्राप्त किए जा सकते हैं। खेलवृत्ति के लिए निर्धारित दिशा-निर्देश एवं नियमावली विभागीय वेबसाइट डीएसबायडब्ल्यूएमपी पर उपलब्ध हैं। मप्र खेल अकादमी, प्रशिक्षण केन्द्र, फीडर सेंटर, भारतीय खेल प्राधिकरण एवं छात्रावास में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को खेलवृत्ति की पात्रता नहीं होगी। अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रोत्साहन नियम-2019 में मान्यता प्राप्त खेल संघ द्वारा आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय खेल में पदक अर्जित करने वाले जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेलवृत्ति प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

इन देशों में कार-बाइक की जगह नावों में घूमते हैं लोग, पानी पर बसे हैं ये शहर

हनीमून पर जाना हो, या हॉलिडे मनाना हो, हर कोई चाहता है कि उनकी डेस्टिनेशन सुंदर और अनोखी होनी चाहिए। अगर आप भी किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं, तो दुनिया भर में कई खूबसूरत शहर और कस्बे मौजूग हैं। इन जगहों पर एक-जगह से दूसरी जगह पर जाने के लिए नाव करनी पड़ती है। यन जगहों पर आपको सड़क नहीं मिलेगी। अगर आप भी इन जगहों पर जाते हैं तो वहां पर आप नाव के जरिए इधर-उधर जा सकते हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

सुझाऊ- सुझाऊ चीन का एक गांव है। इस गांव का अपना इतिहास रहा है। बता दें कि यहां के लोगों को नाव से चलना काफी पसंद है। इसलिए आपको यहां पर पेड़ों के आपसाप नहरों में ढेरों चलती हुई नाव देखने को मिलेंगी।

एनेसी- फ्रांस का एनेसी पानी पर बसा हुआ है। आपको यहां पर कुछ ही मीटर पर कई ब्रिज देखने को मिलेंगे। यहां पर नहर के किनारे काफी संख्या में रेस्तरां बने हैं। इन रेस्तरां में आप सुबह की चुस्कियां लेने के लिए पहुंच सकते हैं। बता दें कि यह जगह लार्ड एनेसी के नाम बनी हुई है।

वेनिस- वेनिस शहर की गिनती इटली के सबसे खूबसूरत शहरों में आता है। यह पूरा शहर पानी में बसा हुआ है। इस शहर को छोटे-छोटे आइसलैंड के साथ मिलकर बनाया है। अगर आप भी इटली घूमने जाएं तो एक बार गंडोला राइड का लुत्फ जरूर लें। यहां पर आपको एक भी सड़क नहीं दिखेगी।

गेनवी- अफ्रीका का छोटा गांव गेनवी अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। गेनवी की आजादी करीब 20 हजार के आसपास है। यह गांव नोकुई झील के बीच पर बसा है। यहां पर लोग नाव पर बैठकर बिजनेस करते हैं। घूमने के लिहाज से यह बेहतरीन जगह है।

स्टॉकहोम- स्वीडन की राजधानी स्कॉटहोम भी एक खूबसूरत शहर है। यह 14 आइसलैंड पर बना है। बता दें कि स्कॉटलैंड में 50 से ज्यादा ब्रिज मौजूद हैं। झील के किनारे बना यह शहर अपनी नीली इमारतों के लिए भी जाना जाता है।

भारत में यहां 12 मास देखी जा सकती है बर्फबारी

औली अपने कई खूबसूरत नजारों के लिए प्रसिद्ध है। इसके ठीक सामने एक ऐसा पहाड़ नजर आता है जो बर्फ से ढकने के बाद एक लेटी हुई महिला का आकार ले लेता है। ये सुंदर दृश्य स्लीपिंग ब्यूटी के नाम से चर्चित है और इसका आकर्षण हर किसी को खींचता है। दुनियाभर में कई एक से बढ़कर एक स्थान मौजूद हैं जिनकी खूबसूरती देख स्वर्ग जैसा अनुभव होता है। वहीं, अगर बात करें भारत कि तो यहां एक ऐसी जगह है जहां विश्वभर से पर्यटक बर्फ पर स्कीइंग का आनंद लेने के लिए खिंचे चले आते हैं। इस जगह की खासियत ये है कि यहां सिर्फ सर्दी के मौसम में ही नहीं बल्कि हर मौसम में बर्फ देखने को मिलती है। ये जानने के बाद आप सोच रहे होंगे कि भारत में भला ऐसी कौन सी जगह आ गई जहां 12 महीने बर्फबारी देखने को मिलती है? दरअसल, ये खूबसूरत जगह उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित औली है। इसे देखकर स्विट्जरलैंड जैसा अनुभव होता है, इसलिए ये जगह मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से भी जानी जाती है। ये जगह विषम परिस्थितियों वाला पर्यटक स्थल है। बर्फ की सफेद चादर ओढ़े पहाड़ों वाली ये जगह अपनी अलग ही खूबसूरती बिखरती है, चाहे सूर्योदय हो या सूर्यास्त हो या फिर रात की चांदी हो। इस सौंदर्य का हर रंग काफी खूबसूरत है। वहीं, आज हम आपको कल्पनाओं से भी खूबसूरत पर्यटन स्थल औली के कुछ चर्चित जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, आइए जानते हैं...

यह रोपवे है खास: एशिया के सबसे लंबे गुलमर्ग रोपवे के बाद औली-जोशीमठ रोपवे को माना जाता है। साल 1982 में तत्तकालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस रोपवे की आधारशिला रखी थी, जबकि ये 1994 में तैयार हुआ था। लगभग 4.15 किलोमिटर लंबा ये रोपवे जिग-जैक पद्धति पर बना हुआ है। ये रोपवे देवदार के जंगलों के बीच से दस टॉवरों से गुजरता है, इसके आठवें टॉवर से रोपवे से उतरने-चढ़ने की व्यवस्था है।

स्कीइंग रेस: एफआइएस ने औली को स्कीइंग रेस के लिए अधिकृत किया है। स्कीइंग के लिए यहां पर 1300 मीटर लंबा स्की ट्रैक बना हुआ है। ये एक ऐसी जगह है जिसे एफआइएस द्वारा स्कीइंग रेस को लेकर अधिकृत किया हुआ है।

कैमरे में उतार लें स्लीपिंग ब्यूटी: औली अपने कई खूबसूरत नजारों के लिए प्रसिद्ध है। इसके ठीक सामने एक ऐसा पहाड़ नजर आता है जो बर्फ से ढकने के बाद एक लेटी हुई महिला का आकार ले लेता है। ये सुंदर दृश्य स्लीपिंग ब्यूटी के नाम से चर्चित है और इसका आकर्षण हर किसी को खींचता है। इस नजारे को कैमरे में कैद करने से कोई खुद को रोक नहीं पाता है।

बर्फबारी न होने पर बनाई जाती है बर्फ: दुनिका के सबसे ज्यादा ऊंचाई पर स्थित कृत्रिम झील औली में है। इस झील को साल 2010 में बनाया गया, जोकि 25,000 किलोलीटर की दूरी तक फैला हुआ है। जब बर्फबारी नहीं होती है तो इसी झील का पानी लेकर औली में कृत्रिम बर्फ बनाई जाती है। यहां फ्रांस में निर्मित मशीनें लगाई गई हैं, जिनकी मदद से बर्फ बनाई जाती हैं।

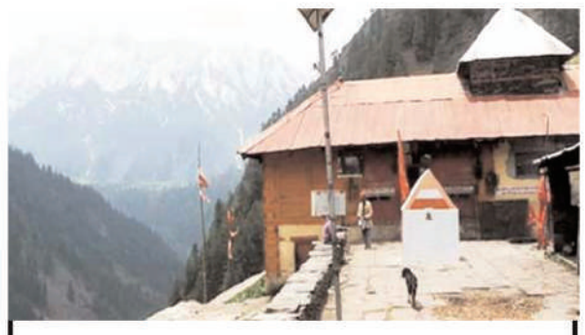

हिमाचल की इस जगह के नजारे देखते रह जाएंगे...

जन्नत से कम नहीं है ये खूबसूरत स्थान

हिमाचल भारत की खूबसूरत जगहों में से एक है। दुनियाभर के पर्यटक हिमाचल घूमने के लिए आते हैं। यहां के खूबसूरत नजारे मन मोह लेते हैं। हिमाचल एक पहाड़ी राज्य है, शिमला इस खूबसूरत राज्य की राजधानी है। आज हम आपको हिमाचल की एक खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं। हिमाचल की ये जगह किसी जन्नत से कम नही है। आइए जानते हैं इस खूबसूरत जगह के बारे में... चंबा बेहद ही खूबसूरत जगह है। चंबा का मौसम काफी सुहाना रहता है। मान्यताओं के अनुसार चंबा शहर का नाम वहां की राजकुमारी चंपावती के नाम पर पड़ा है। चंबा की खूबसूरती देखते ही बनती है। चंपावती मंदिर यहां के प्रमुख मंदिरों में से एक है। ऐसा कहा जाता है कि शिक्षा के लिए राजकुमारी चंपावती हर दिन एक साधु के पास जाती थी। राजकुमारी के रोजाना जाने पर राजकुमार को शक होने लगा और वो एक दिन राजकुमारी के पीछे-पीछे आश्रम तक जा पहुंचा। वहां राजकुमार को कोई नहीं मिला। परंतु राजकुमार को शक करने की सजा मिली और उससे उसकी बेटी छीन ली गई। प्रायश्चित करने के लिए आसमान में आकाशवाणी हुई कि राजा को यहां पर एक मंदिर बनवाना होगा। तब राजा ने चौगान मैदान के पास एक सुंदर मंदिर का निर्माण करवाया। इस मंदिर को चमेसनी देवी के नाम से भी जाना जाता है। आपको बता दें चंबा के आसपास कुल 75 प्राचीन मंदिर हैं। चंपावती मंदिर के पास में एक विशाल मैदान है, जिसे ₹चौगान₹ कहा जाता है। चौगान को चंबा शहर का दिल भी कहा जाता है। पहले ये मैदान काफी बड़ा हुआ करता था, परंतु बाद में इसे पांच हिस्सों में बांट दिया गया। अब यहां पर मुख्य मैदान के अलावा चार छोटे- छोटे मैदान भी हैं। चौगान मैदान में जुलाई के महीने में चंबा का सबसे मशहूर मेला पिंजर मेला लगता है। चंबा का भूरि सिंह संग्राहलय छोटा है, परंतु इसका प्रबंधन बेजोड़ है। भूरि सिंह संग्राहलय के प्रथम तल पर मिनिएचर पेंटिंग की सुंदर गैलरी है। इस संग्रहालय में गुलेर शैली की बनी पेंटिंग लगाई गई हैं और यहां पर ब्लैक एंड वाइट तस्वीरें भी देखने को मिलती हैं।

प्रकृति की सुंदरता का एक खूबसूरत नमूना है उत्तर पूर्व का ये राज्य

उत्तर पूर्व का सिक्किम राज्य प्रकृति की सुंदरता का एक खूबसूरत नमूना है। सिक्कीम की खूबसूरती को शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। सिक्कीम पश्चिम में नेपाल, उत्तर तथा पूर्व में चीनी तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र तथा दक्षिण-पूर्व में भूटान से लगा हुआ है। ऐसा कहा जाता है कि इस राज्य का आकार अंगूठे जैसा है। यहां के बफीर्ले पहाड़, विशाल पेड़ और पारंपरिक धरोहर देखते ही बनते हैं। आइए, आज जानते हैं इस राज्य की खूबसूरत जगहों के बारे में...

सिक्किम की राजधानी गंगटोक से मात्र 38 किमी दूर त्सोमगो झील स्थित है। यह झील सिक्कीम के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। पथरीले पहाड़ की स्थलाकृति और ऊंचे-ऊंचे पड़ाहो से होकर एक टेढ़-मेढ़ी सड़क से गुजर कर त्सोमगो झील तक पहुंचा जा सकता है। बर्फ से ढके पहाड़ के साथ यह झील बेहद ही सुंदर दिखाई देती है। युक्सोम सिक्किम के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक है। युक्सोम शहर पहाड़ो पर बसा है। यहां सिर्फ बर्फीर्ले पहाड़ और बड़े-बड़े पेड़ देखने को मिलते हैं। सिक्कीम का नामची शहर ताजी हवा और मनमोहक सुंगध के लिए जाना जाता है। यह शहर हिमाच्छादित पहाड़ों और वुडलैंड पर्वत घाटियों का एक सुंदर दृश्य है।यह जगह सिक्कीम के सबसे मशहूर जगहों में से एक है। यह जगह प्राकृतिक हवा और सुंगध प्रेमियों के लिए किसी उपहार से कम नहीं है। सिक्किम की राजधानी गंगटोक भी अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यह शहर कभी न खत्म होने वाली पगडंडियों, भव्य चांदी-देवदार के पेड़ों और स्थानीय लोगों द्वारा बाहर से आए लोगों की खातिरदारी करने के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। इस मठ का निर्माण 19 वीं सदी में हुआ था। यह मठ सिक्किम के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है। इस मठ की खास बात यह है कि यह मठ चीनी पैगोडा डिजाइन का एक वास्तुशिल्प चमत्कार है। यह चीन के पवित्र पर्वत से प्रेरित है जो ज्ञान के देवता, जम्पीलांग के आध्यात्मिक आवास भी था। इसलिए इस मठ को सिक्कीम में अधिक महत्व दिया जाता है।

भारत में यहां देखने को मिलता है मनोरम वादियों, झीलों और झरनों का अद्भुत नजारा

मनोरम वादियों और ऊंचे-ऊंचे चीड़ के दूर तक फैले पेड़ों से घिरा हिमाचल प्रदेश की खूबसूरती की बात ही निराली है। उत्तर-पश्चिमी भारत में स्थित इस राज्य की नदियां, पहाड़ और खूबसूरत हरियाली देखते ही बनती है। यह राज्य उत्तर में जम्मू कश्मीर, लद्दाख से पश्चिम तथा दक्षिण-पश्चिम में पंजाब (भारत), दक्षिण में हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश, दक्षिण-पूर्व में उत्तराखंड तथा पूर्व में तिब्बत से घिरा हुआ है। इस राज्य को बफीले पहाड़ों का प्रांत भी कहा जाता है। यहां हम आपको हिमाचल के कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं... छोटा-सा पर्यटक स्थल धर्मकोट बेहद ही खूबसूरत जगह है। मैक्लॉडगंज से 14 किमी की दूरी पर स्थित इस गांव के आस-पास देवदार के घने जंगल हैं। यह स्थल मुख्य तौर पर ध्यान केंद्र, धाम शिकारा और तुशिता ध्यान बौद्ध धर्म का अध्ययन और अभ्यास केंद्र है। हिमाचल के इस खूबसूरत स्थान की खूबसूरती देखते ही बनती है। जलोरी पास बेहद ही खूबसूरत पर्यटन स्थल है जो समुद्र तल से 3550 मीटर की ऊंचाई पर है। नारकंडा से 90 किमी की दूरी पर स्थित यह स्थान हर-भरे जंगल और झीलों के लिए मशहूर है। हिमाचल के इस खूबसूरत जगह की हरियाली देखते ही बनती है। जलोरी पास बेहद ही खूबसूरत पर्यटन स्थल है जो समुद्र तल से 3550 मीटर की ऊंचाई पर है। नारकंडा से 90 किमी की दूरी पर स्थित यह स्थान हर-भरे जंगल और झीलों के लिए मशहूर है।

दिल्ली की इन जगहों पर मिलेगी आपको परफेक्ट फिल्टर कॉफी

थलाइवर एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको फिल्टर कॉफी के साथ-साथ केरल के कुछ बेहतरीन व्यंजनों का स्वाद चखने को मिलेगा। उनके ऐपेटाइजर कुछ ऐसे हैं जो आपको दिल्ली में रहते हुए जरूर आजमाने चाहिए। खासकर यहां के कुजीपनियाराम और आलू बोंडा का स्वाद बेमिसाल है। ऐसे बहुत से लोग हैं, जिन्हें फिल्टर कॉफी पीना बेहद पसंद होता है। ऐसे में जब वह किसी नए शहर में जाते हैं तो उन्हें अपनी पसंदीदा फिल्टर कॉफी कम ही मिलती है। लेकिन दिल्ली बाकी शहरों की दुनिया में काफी अलग है। देश की राजधानी दिल्ली यकीनन एक परफेक्ट टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। यहां पर आपको घूमने फिरने से लेकर शॉपिंग यहां तक कि खाने-पीने में भी काफी कुछ एक्सप्लोर करने को मिलता है। चाहे आप कुछ नया एक्सपीरियंस करना चाहते हों या फिर स्वभाव से फूडी हो, दिल्ली आकर आपको निराशा नहीं होगी। तो चलिए आज हम आपको दिल्ली की उन जगहों के बारे में बता रहे हैं।

अब फूलों की घाटी का दीदार कर सकेंगे पर्यटक जानिए इस खूबसूरत जगह के बारे में...

कोरोना वायरस की वजह से पिछले कुछ समय से फूलों की घाटी में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगी थी। अब पर्यटक फूलों की घाटी में प्रवेश कर सकते हैं, परंतु पर्यटकों को कुछ नियमों का पालन करना होगा। पर्यटकों को यहां प्रवेश करते समय कोरोना नेगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी जो 72 घंटे से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। फूलों की घाटी उत्तराखंड में गढ़वाल क्षेत्र के चमोली जिले में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान है। यह खूबसूरत घाटी विश्व धरोहर में भी शामिल है। इस जगह की खूबसूरती देखते ही बनती है। आज हम आपको इस खूबसूरत जगह के बारे में बताएंगे। आइए जानते है उत्तराखंड में स्थित फूलों की घाटी के बारे में.....

उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में स्थित फूलों की घाटी 87.50 किमी वर्ग क्षेत्र में फैली है। 1982 में यूनेस्को ने इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया। फूलों की घाटी बेहद ही खूबसूरत है। हिमाच्छादित पर्वतों से घिरी इस घाटी की सुंदरता देखते ही बनती है। फूलों की घाटी में 500 से अधिक फूलों की प्रजातियां देखने को मिलती हैं। बागवानी विशेषज्ञों और फूल प्रेमियों के लिए ये जगह स्वर्ग से कम नहीं है। इस घाटी के नजारे देखते ही बनते हैं। फूलों की घाटी का वर्णन रामायण और महाभारत में भी मिलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फूलों की घाटी ही वो स्थान है जहां से हनुमान जी लक्ष्मण जी के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाए थे। स्थानीय लोगों के अनुसार फूलों की घाटी में परियां निवास करती हैं। परियों का निवास स्थान होने की वजह से लंबे समय तक यहां लोग जाने से कतराते थे। इस घाटी में उगने वाले फूलों से दवाई भी बनाई जाती है। 1931 में फ्रैंक स्मिथ और उनके साथी होल्डसवर्थ ने फूलों की घाटी की खोज की थी। आपको बता दें फ्रैंक एक ब्रिटिश पर्वतारोही थे। इसके बाद ये एक मशहूर पर्यटन स्थल बन गया। फूलों की घाटी को लेकर स्मिथ ने एक किताब भी लिखी है। इस किताब का नाम है- वैली ऑफ फ्लॉवर्स।

पर्यटकों के लिए अद्भुत सौन्दर्य का पर्याय होगा अयोध्या का राम मंदिर

अयोध्या नगरी का कण-कण राम नाम से पिरोया हुआ है। त्रेतायुग में राम ने विश्व का उत्थान तो किया मगर कलयुग में राम की मौजूदगी अयोध्या में रही, ये साबित करने के लिए उनके भक्तों और राम नाम की गाथा गाने वालों को इसके भी सबूत दुनिया को देने पड़े। भारत ऐसा देश है, जहां से सभ्यता और संस्कृति का प्रचार दुनियाभर में हुआ है। ऐसे में पर्यटन का केन्द्र भारत शुरूआत से ही रहा है, वहीं दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण भारतीय पर्यटकों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों को भी खासा आकर्षित करने वाला होगा। दुनिया की निगाहें सालों से चले आ रहे राम मंदिर के विवाद पर रहीं, दो धर्मों के बीच अपने खुदा अपने भगवान के अस्तित्व की वाजिब लड़ाई जारी रही, आखिरकार राम के अनुयायियों ने ये धर्म की लड़ाई जीत ली। अब जबकि मंदिर के भव्य निर्माण की कल्पना को आकार मिलने जा रहा है तब पर्यटन के नजरिए से भी बेहद शानदार होगा। भारतीय पर्यटन इंडस्ट्री के अनुसार भारत में 2019-20 में 1 करोड़ से अधिक पर्यटक घूमने आए। इंडियन विजिटर्स की इस संख्या में राम मंदिर के निर्माण होने के दौरान से ही इजाफा होने की प्रबल संभावना है। लगभग 3 करोड़ से अधिक विदेशी भारतीय जो भारत के बाहर रहते हैं, वो भी भारत में बन रहे इस राम मंदिर की भव्यता की ओर आकर्षित होंगे। दो शब्दों से मिलाकर बना राम नाम भारत भूमि के साथ ही समूचे विश्व में आस्था और भक्ति का सबसे बड़ा साधन है। अयोध्या नगरी का कण-कण राम नाम से पिरोया हुआ है। त्रेतायुग में राम ने विश्व का उत्थान तो किया मगर कलयुग में राम की मौजूदगी अयोध्या में रही, ये साबित करने के लिए उनके भक्तों और राम नाम की गाथा गाने वालों को इसके भी सबूत दुनिया को देने पड़े। आदिकाव्य रामायण में वाल्मीकि ने अपने श्लोक के जरिये बताया है कि राम 11000 वर्षों तक पृथ्वी पर रहे।

राम मंदिर का स्वरूप होगा पर्यटकों के लिए लुभावना: मंदिर के भव्य निर्माण के लिए वीएचपी (श्लढ) ने नक्शे प्रस्तावित किए, लेकिन हर बार कुछ न कुछ संशोधनों के साथ मंदिर के मॉडल में सुधार किया गया और आखिरकार समस्त संशोधनों के उपरांत जिस मॉडल को मंजूर किया गया उसके मुताबिक पांच एकड़ के क्षेत्रफल में मंदिर का एक मुख्य सिरा (गुम्बद) होगा, इसके अतिरिक्त 5 उप-सिरे (गुम्बद) भी होंगे। 318 खंभों बनाए जाएंगे जिनमें भिन्न-भिन्न मूर्तियां लगी होंगी जो राम मंदिर को और भी भव्यता प्रदान करेंगे। 160 फीट से अधिक ऊंचाई वाले मंदिर का आकार 350 फीट से ज्यादा लम्बा और 230 फीट से ज्यादा चौड़ा होगा। राम मंदिर के निर्माण के साथ ही सरयू से सटे नंदीग्राम एवं चित्रकूट का भी कायाकल्प किया जाएगा।

पर्यटन के लिए मार्गों का जीर्णोध्दार की रूपरेखा भी तैयार: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा अ?ोध्या से जुड़े राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तृत करने और अयोध्या नगरी पहुंच मार्गों के साथ ही 84 कोसी परिक्रमा के लिए उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों के नेशनल हाईवे से अयोध्या को जोड़ने के लिये मार्गों का कायाकल्प करने की पूरी तैयारी कर ली गयी है। एनएचएआई ने करीब 3000 करोड़ से अधिक का बजट इस 84 कोसी परिक्रमा के लिए 275 किलोमीटर की लम्बी सड़क का डीपीआर तैयार कर लिया है। राम के वन पथगमन के मुताबिक मार्ग के निर्माण के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पास भी अच्छी खासी लगभग 900 करोड़ की डीपीआर तैयार की जा रही है।

कैसे हुई थी विवाद की शुरूआत?: राम मंदिर का विवाद ऐतिहासिक होने के साथ ही सामाजिक लड़ाई के तौर पर लड़ा गया विवाद रहा है जो कई सदियों तक चला। सन् 1528 में बाबर ने जिस जगह मस्जिद का निर्माण कराया था वहां पूर्व में राम का मंदिर और जन्मस्थल होने की बात कही गई, यहीं से इस विवाद की चिंगारी भड़की थी। सन् 1553 में अंग्रेजी शासनकाल के दौरान इसी जगह में दंगे हुए। 1859 में विवाद की सुलह के तौर पर मस्जिद के ढांचे के भीतरी हिस्से में मुस्लिमों को नमाज अदा करने की इजाजत दी गयी और हिंदुओं को चबूतरे पर बाहरी हिस्से में पूजा करने की अनुमति प्रदान की गई।

1949 में राम मंदिर पर विवाद बढ़ा: 23 दिसंबर 1949 यही वो दिन था जब बाबरी मस्जिद के भीतर मूर्तियां पाई गईं और एक बार फिर राम मंदिर पर विवाद बढ़ गया। मुस्लिम समुदाय ने हिंदूओं पर आरोप लगाया कि मूर्तियां बाहर से लाकर रखी गई हैं। सरकार ने बढ़ते विवाद को देखते हुए पूजा करने और नमाज अदा करने पर रोक लगा दी। 1950 में फैजाबाद की जिला कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई जिसमें मूर्ति रखने और पूजा करने की अनुमति मांगी गई। 1959 में तीसरी याचिका निमोर्ही अखाड़े ने दायर की थी। वहीं 1961 में उत्तरप्रदेश के सुन्नी बफ्फ बोर्ड ने याचिका दायर करते हुए मस्जिद परिसर में कब्जे की बात कहते हुए परिसर में मौजूद मूर्तियों को हटाने की मांग की। 1962 में फैजाबाद के जिला मजिस्ट्रेट ने मंदिर में पूजा करने की अनुमति दे दी। 6 दिसंबर 1992 के दिन कई हिंदू संगठनों समेत लाखों कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा गिरा दिया, जिसकी वजह से धार्मिक दंगे समूचे देश में भड़क उठे और हजारों लोगों ने अपनी जानें गवाईं। 2001 में दंगों की साजिश के आरोपों से आडवाणी समेत 13 लोगों को मुक्त कर दिया गया। 2002 में गोधरा में कारसेवकों को ट्रेन में यात्रा के दौरान आग लगाकर मार दिया गया। जिसमें करीब 58 कारसेवक मारे गये, इस कारण एक बार फिर दंगे भड़के और कई हजार लोगों की मौत हुई। इसके बाद हर साल राम मंदिर का विवाद गहराता चला गया। कभी राम मंदिर के पक्षकारों ने अपील की तो कभी मुस्लिम पक्षकारों ने लेकिन इस विवाद का हल निकलता हुआ नजर नहीं आया, क्योंकि साल 2010 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विवादित जमीन के दो हिस्सों में पहला मुस्लिम पक्षकारों और दूसरा हिंदूओं के लि? दिए जाने का फैसला सुना दिया जिसपर साल 2011 सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। 2017 में तत्कालीन सीजेआई जस्टिस खेहर ने दोनों पक्षकारों के बीच मध्यस्थता के प्रयास करने की वकालत कर दी लेकिन इससे भी बात नहीं बनी। लेकिन साल 2019 राम मंदिर के पक्षकारों के लिए बेहद खुशियों वाला रहा। 16 अक्टूबर 2019 को राम मंदिर पर आखरी सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया। एक महीने के बाद नवंबर महीने की 9 तारीख को फैसला सुनाते हुए कहा कि विवादित स्थल पर राम का मंदिर बनेगा और मुस्लिम पक्षकारों के लिए अयोध्या में ही 5 एकड़ जमीन उचित स्थान पर दी जायेगी। सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन जस्टिस रंजन गोगोई की बेंच ने सरकार को इस मामले पर कदम उठाने का आदेश देते हुए कहा गया कि सरकार 6 माह के भीतर ट्रस्ट का निर्माण करे। राम मंदिर की लम्बी लड़ाई के बाद विवाद पर फैसला सुनाकर ऐतिहासिक कदम उठाया गया।

मनाई गई भाकपा (माले) की 54वीं वर्षगांठ

प्रखर मिजार्पुर। अहरौरा मानिकपुर, चौकियां, डोहरी, बंजारी कला आदि गांवों में पार्टी का झंडा फहरा कर मनाया गया इस मौके पर कामरेड चारु मजूमदार और पार्टी के सभी संस्थापक नेताओं समेत उन सभी साथियों को क्रांतिकारी श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने इन 54 सालों में पार्टी को बनाने और क्रांतिकारी आन्दोलन को अग्रगति देने के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया. पार्टी स्थापना दिवस पर मानिकपुर गांव में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाकपा(माले) राज्य सचिव सुधाकर यादव ने कहा कि 22 अप्रैल दुनियां की पहली समाजवादी क्रांति के रचनाकार और मार्क्स एवं एंगेल्स के बाद मार्क्सवाद के महानतम शिक्षक कामरेड लेनिन का जन्मदिन भी है. हम कामरेड लेनिन को क्रांतिकारी सलाम पेश करते हुए उनकी महान क्रांतिकारी विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं. उन्होंने कहा कि पटना में पार्टी के ग्यारहवें महाधिवेशन के सफल समापन के बाद फासीवाद को शिकस्त देने और शहीदों के सपनों का भारत बनाने के महाधिवेशन के आह्वान को लागू

करना अब सम्पूर्ण पार्टी का कार्यभार है. पार्टी स्थापना दिवस पर हम प्रत्येक पार्टी ब्रांच की भूमिका को बढ़ाने और सभी मोर्चों पर पार्टी के काम को विस्तार देकर पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लेते हैं. उन्होंने सभी पार्टी ब्रांचों और स्थानीय कमेटियों को मजबूत कर उनकी भूमिका बढ़ाना फासीवादी आक्रमण के खिलाफ पार्टी की लड़ाकू क्षमता को उच्चतर स्तर पर ले जाने के लिए बेहद जरूरी है.उन्होने कहा कि जैसे जैसे मोदी-अदानी गठजोड़ की पोल खुल रही है और मंहगाई, बढ़ती बेरोजगारी और दमनकारी बुलडोजर राज के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है, मोदी सरकार और संघ ब्रिगेड की परेशानी बढ़ रही है. भाजपा एक बार फिर साम्प्रदायिक उन्माद भड़का कर और फासीवादी मंसूबों को पूरा करने के लिए नौजवानों एवं उत्पीड़ित जनता के बीच से अपने पैदल सैनिकों की भर्ती कर इस से पार पाने की कोशिश कर रही है. राज्य सचिव ने कहा कि, इस बार की रामनवमी पर भी इसी बांटो और राज करो के खेल की खतरनाक झलक देखी।

इसी के साथ मोदी राज विपक्ष का दमन न्यायपालिका समेत लोकतंत्र की सभी संस्थाओं का अपहरण और नागरिकों की सभी संवैधानिक स्वतंत्रताओं को बाधित करने में पूरी तरह से जुट गया है. धार्मिक और भाषायी सीमाओं से ऊपर उठ कर जनता के सभी तबकों में एकता और एकजुटता के बंधन को मजबूत करना बहुत जरूरी है.उन्होने मजदूर और किसान, पुरुष और महिलायें, हिन्दू और मुसलमान सभी को एक साथ आकर फासीवाद को शिकस्त देकर लोकतंत्र और भारत को बचाना के लिए आगे आने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि. साल 2023 में कई महत्वपूर्ण राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और अगले साल की शुरूआत में लोकसभा के निर्णायक चुनाव होंगे. इन सभी चुनावों में भाजपा को हराने और कमजोर करने के लिए और अगली संसद में क्रांतिकारी वाम का प्रतिनिधि भेजने के लिए हमें पूरे जी-जान से लग जाना चाहिए. पार्टी स्थापना दिवस को पार्टी जिला सचिव राम प्यारे राम, इंकलाबी नौजवान सभा के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार, यादव, सोमारू, पटेल, नंदलाल वियार, प्रभू बियार, मनीषा, राधिका देवी, तेतरा, मुन्नी, देवी, राम मूरत, बिहारी बनवासी, राजनाथ, पारस जी, महंगी पासवान,बेचू, धर्मराज कोल ने संबोधित किया।

केराकत में शांतिपूर्ण तरीके से ईद उल फितर की पढ़ी गई नमाज

प्रखर केराकत जौनपुर। नगर में स्थित ईद गाह पर ईद उल फितर की नमाज सकुशल एवं शांतिपूर्वक संपन्न हुई । इमाम मौलाना ने ईद की नमाज संपन्न कराई नमाज में अपने तकरीर के माध्यम से कौम के लोगों के बीच मोहब्बत से रहने एवं गरीब भाइयों की मदद करने समेत कई मुद्दों पर तकरीर के माध्यम से जागरूक किया बाद नमाज रोजी रोजगार में बरकत एवं मुल्क में अमन चैन की दुआ की गई स्थानी ईदगाह पर नगर एवं आसपास के दर्जनों गांव के

मुस्लिम बन्धु ईद की नमाज पढ़ने के लिए हजारों की संख्या मे सम्मिलित हुए थे। वही डेहरी और मुर्की के ईदगाह में नमाज पढ़ी गई छोटे बच्चे एवं नमाजी ईदगाह में लगे मेले में नमाज के बाद भरपूर खरीदारी करते देखे गए बड़े बुजुर्ग जहां बारा जलेबी खरीद रहे थे। तो बच्चे अपने खिलौने गुब्बारे खरीद कर ईद की खुशियो का इजहार एक दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद देते हुए कर रहे थे।सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहे। सरकी चौकी प्रभारी विनोद कुमार अंचल पुलिस बल के साथ ईदगाह परिसर के समीप तैनात रहे।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामिया गिरफ्तार, एक फरार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा जनपद में अपराध व अपराधियों के विरूध्द चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक भांवरकोल व स्वाट टीम द्वारा पातालगंगा चट्टी पर संदिग्ध व्यक्ति व वाहन की संयुक्त चेकिंग की जा रही थी कि जरिए मुखबिर खास सूचना मिली की दो बदमाश पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की तरफ से आ रहे हैं और पातालगंगा पर किसी व्यापारी को लूटने वाले हैं मुखबिर खास की सूचना पर विश्वास करके सघनता से चेकिंग की जा रही थी तभी मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश आते दिखाई दिए संयुक्त पुलिस टीम द्वारा गाड़ी को रोकने का प्रयास किया गया तो उक्त बदमाशों द्वारा

जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायर करते हुए भावरकोल की तरफ भागने का प्रयास किए उक्त बदमाशों का पीछा किया गया तो मिजार्बाद बाजार में मौजूद थाना स्थानीय की द्वितीय मोबाइल टीम द्वारा तेतरिया मोड पर उक्त बदमाशों की घेराबंदी की गई जिससे उक्त बदमाश माचा रोड की तरफ गाड़ी मोड़ कर भागने लगे कि कुछ ही दूर पर आगे नहर पट्टी पर गाड़ी फिसल गई और दोनों बदमाश अपने को घिरता देख पुलिस पार्टी पर जानलेवा फायरिंग करने लगे पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ फायरिंग की गई जिससे एक बदमाश रवि बिंद पुत्र सिंहासन बिंद निवासी ग्राम चकिया गोली से घायल हो गया तथा दूसरा बदमाश सोनू बिंद पुत्र नंदू बिंद निवासी सकरा थाना कोतवाली गाजीपुर मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया घायल बदमाश को दवा इलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया गया। घायल बदमाश के पास से एक अदद तमंचा 315 बोर व 5 अदद खोखा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ तथा मौके से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बिना नंबर की मिली। दोनों बदमाशों पर पूर्व से ही गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत थाना भांवरकोल से 25- 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है, तथा जनपद के विभिन्न थानों लगभग 14 मुकदमों में वांछित है।

ईद की नमाज ईदगाह पर उत्साह के साथ की गई अदा

एसडीएम ने ईदगाह पर बच्चों से हाथ मिलाकर ईद का मुबारकबाद दिया

प्रखर मेंहनगर आजमगढ़। स्थानीय तहसील क्षेत्र मे मेंहनगर के ईदगाह पर मौलाना अरसद के नेतृत्व में शनिवार को ईद की नमाज अदा की गई।चांद रात की रौनक व ईद की नमाज को लेकर सभी के चेहरों खुशी का इंतजार सोने न दिया। पूरी रात बाजारों में चहल-पहल रही, खूब खरीदारी हुई। सुबह हुई तो क्या बड़े और क्या बच्चे। सभी तैयार हुए, इत्र लगाया और ईदगाह की ओर निकल पड़े। सूरज और बादलों की लुकाछिपी कभी सुकून दे रही थी तो कभी तपिश। ऐसे ही माहौल नमाज शुरू हुई। नमाजियों ने देश और परिवार में अमन-चैन की दुआ मांगी।शनिवार को तय समय पर क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहो सहित मस्जिदों पर ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। नमाज के बाद लोगो ने एक दूसरे

के गले मिले,तथा ईद मुबारकबाद दिया। ईदगाह व मस्जिदों पर बच्चे बड़े बुजुर्ग से मिलने वालों में काफी उत्साह दिखते नजर आये। ईदगाह पर उपस्थिति एसडीएम मेंहनगर संत रंजन ने छीटे बच्चों से हाथ मिलाकर खुशी का जहार किया व ईद मुबारकबाद भी दिया। सुरक्षा की दृष्टि से थानाध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने क्षेत्र के ईद गाह व मस्जिदों पर भृमण करते रहे। क्षेत्र के नमाजियों में लोग खुश हुए तथा अपने मन पसन्द को लोगो ने खरीदारी भी किया।

मोंटी कार्लो कंपनी के मनमानी से विद्युत सप्लाई बदहाल, अधिकारी परेशान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। चिलचिलाती धूप और गर्मी से आम जनता परेशान है। ऐसे में बिजली विभाग की चरमराती हुई व्यवस्था से विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी परेशान हैं। जिले में विद्युत विभाग के जर्जर पोल तार बदलने का ठेका मोंटी कार्लो कंपनी को दिया गया है, जो दिसंबर माह 2022 से ही सर्वे की कार्य कर रही है। सर्वे का कार्य फरवरी माह 2023 में पूरा भी हो गया है जो शहर क्षेत्र में तमाम जगह पोल, तार जर्जर अवस्था में पड़े हुवे है जो आए दिन घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है। जिसमे सभी समस्याओं को मोंटी कार्लो को अवगत भी करा दिया गया है परंतु इस कंपनी के मनमानी रवैए से बिजली विभाग के अधिकारी परेशान नजर आ रहे है। वही शहर एसडीओ सुधीर कुमार ने बताया कि गाजीपुर शहर में पोल, तार की स्थिति काफी जर्जर अवस्था में है जिसको बदलने के लिए मोंटी कार्लो कंपनी को लगाया गया है जिसका कार्य जनवरी से ही चालू होने वाला था परंतु अभी तक

केवल कंपनी द्वारा झूठा आश्वासन दिया जा रहा है कभी लेबर का बहाना कभी समान का बहाना किया जा रहा है इधर आए दिन विद्युत वितरण खंड आमघाट कार्यालय में उपभोक्ताओं के साथ पोल,तार को लेकर नोक झोंक की स्थिति बनी रहती है। आगे उन्होंने यह भी बताया की मैने कंपनी को कई बार लेटर भी लिखा एवम अपने उच्चाधिकारियों को भी इसके खिलाफ लेटर लिखा मगर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई जो नाजुक स्थिति बनी हुई है। वही ग्रीष्म कालीन ऋतु भी आ गई है लो वोल्टेज की समय बराबर बनी हुई है, जगह जगह पोल,तार क्षतिग्रस्त हो रहे है जगह जगह दिन भर में 50 जगह तार टूट रहा है जो आए दिन परेशानी उठानी पड़ रही है।

सवा किलो नाजायज गाँजे के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के कुशल निर्देशन मे जनपद में हो रहे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के कुशल निर्देशन में शनिवार को उप निरीक्षक संतोष कुमार यादव थाना मुहम्मदाबाद गाजीपुर मय हमराह कांस्टेबल अजीत भारतीया व कांस्टेबल विकास मौर्या के साथ थाना हाजा से रवाना होकर ईद त्यौहार के दृष्टिगत शान्ति व्यवस्था ड्यूटी व देखभाल क्षेत्र व वारण्टियों एवं संदिग्धों के तलाश मे मामूर होकर जैसे ही हाटा पुल पर पहुँचे तो मोटर साइकिलों की रोशनी में देखा कि एक व्यक्ति अपने हाथ में झोला लिए हुए हाटा पुल की तरफ आ रहा है संदिग्ध प्रतीत होने पर रूकवाने के लिए कहा गया तो अचानक पीछे मुडकर भागने लगा।

गंगा पुष्कर महोत्सव में एनडीआरएफ की टीमें तैनात चिकित्सा शिविर लगाकर दे रहे प्राथमिक उपचार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी में गंगा पुष्कर कुंभ महोत्सव शुरू हो गया है जिसमें दक्षिण भारत से श्रद्धालु गंगा जी में स्नान एवं पूजन आदि के लिए भारी संख्या में आ रहे हैं जिनकी सुरक्षा में एनडीआरएफ वाराणसी की टीमें उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के निर्देशन में गंगा घाटों पर तैनात की गई है` इसके साथ श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा का ध्यान रखते हुए एनडीआरएफ बचाव कर्मियों द्वारा तेलुगू भाषा के माध्यम से घाटों पर स्नान एवं अन्य गतिविधियों के लिए आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु नियंत्रण कक्ष से निर्देश दिए जा रहे हैं` एनडीआरएफ टीमें मोटर बोट, अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण और सौ से अधिक बचाव कर्मियों के साथ गंगा घाटों पर तैनात है और पेट्रोलिंग कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्नान के लिए तेलगु में निर्देशित भी कर रहे हैं` इसके साथ ही दशाश्वमेध घाट पर चिकित्सा शिविर भी लगाया गया है जिसमें लोगों की सहायता के लिए एनडीआरएफ के डॉक्टर अपनी

मेडिकल टीम के साथ लोगों को निःशुल्क उपचार एवं दवा उपलब्ध करवा रहे हैं इसके अतरिक्त जीवन संजीवनी 'वॉटर एंबुलेंस' भी गंगा नदी व घाटों में आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के लिए मौजूद है ` शनिवार को आंध्र प्रदेश से आई एक 60 वर्षीय महिला श्रद्धालु का राजघाट पर सीढ़ियों से उतरते समय पैर फिसल गया और फ्रैक्चर हो गया एनडीआरएफ की टीम ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल घायल को प्राथमिक उपचार देने के उपरांत स्थानीय अस्पताल के लिए भेज दिया उनके परिवार जनों ने टीम की इस त्वरित सहायता के लिए आभार प्रकट किया।

ईद उल फितर के मौके पर मस्जिदों में नमाज अदा, सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले में ईद सौहार्द वातावरण में मनाई गई। इस पाक मौके पर शहर की विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा की गई। हजारों की संख्या में अकीदतमंदों ने इस मौके पर शिरकत किया। हर वर्ग हर संप्रदाय के लोग इस अवसर पर सौहार्दपूर्ण वातावरण को बनाने में एकजुट दिखाई दिए। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ-साथ प्रशासन के अधिकारी अधिकारियों ने भी मुस्लिम भाइयों को ईद की मुबारकबाद पेश की। इबादत के इस पाक मौके पर नमाज करने वालों ने हिंदू मुस्लिम एकता की बात करते हुए शहर को हिंदू मुस्लिम भाईचारे की अनूठी मिसाल को बरकरार रखने की अपील की। इस अवसर पर जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृण बनाये रखने के दृष्टिगत आज सुबह 08:00 बजे से

विशेश्वरगंज चौराहे के पास की ईदगाह पर नमाज अदा शान्ति पूर्णक जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के उपस्थिति में सम्पन्न कराया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पढ़ी जाने वाली नमाज स्थल विशेश्वरगंज चौराहे पर कैम्प लगाकर नमाज की अन्तिम समय तक रहे जिसमें आये हुए प्रबुद्धजन से मुलाकात कर हाल चाल पूछती रही एवं लगातार शान्ति व्यवस्था हेतु सभी से अपील करती रही। नमाज शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमें उपस्थित बच्चो को चाकलेट देकर ईद-उल फितर की बधाई दी। उन्होने जनपद के सभी जनपद वासियों से अपील किया है कि आज अक्षय तृतीया, भगवान परशुराम जयंती एवं इर्द के त्यौहार को खुशी पूर्वक आपस में मिल जुल कर मनाये। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी को ईद एवं अक्षय तृतीया पर ढेर सारी शुभकामनायें दी।

पुलिस अधीक्षक ने जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों द्वारा नमाज के दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहते हुए ईद उल फितर की नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया। शहर में लगभग 550 स्थानों पर ईद की नमाज अदा की गई। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 क्षेत्राधिकारी शहर एवं ग्रामीण, अधि0अभि0 नगर पालिका परिषद गाजीपुर के साथ अन्य सम्बन्धित अधिकारी, पुलिस बल के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी के वार्ड नंबर 25 दुगार्कुण्ड क्षेत्र से पार्षद प्रत्याशी संजय यादव ने किया जनसंपर्क

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बताते चलें कि नगर निगम चुनाव को लेकर सभी प्रत्याशियों ने अपने -अपने मद में मतदान को लेकर लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं इसी

कड़ी में दुगाकुंड वार्ड नंबर 25 से समाजवादी पार्टी के पार्षद प्रत्याशी संजय यादव ने पार्टी कार्यकताओं एवं क्षेत्रीय लोगों के साथ घसियारी टोला, तुलसी नगर, नवाबगंज, दुगाकुंड एवं ब्रह्मानंद नगर कॉलोनी में जनसंपर्क कर लोगों की समस्याओं को सुना एवं अपने मद में मतदान करने का किया अपील जनसंपर्क के दौरान पार्षद प्रत्याशी संजय यादव ने वार्ड की जनता से अपील करते हुए कहा की अगर आपलोग हमें इस बार एक मौका दे ताकि जीतकर सदन में जाये जिसके बाद मेरा सबसे पहला कार्य तीन महीनों के अंदर भरे हुए सीवर ,नालों के कारण हो रही समस्याओं से निजात दिलाने का पूरा प्रयास होगा जनसंपर्क कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता उमाकांत पटेल, संध्या यादव, कृपाशंकर यादव, अभिषेक, अजय, अशोक सिंह, संदीप कुमार, लल्ला, सोनू सिंह, सत्यम, सौरभ सहित क्षेत्र के गणमान्य जनता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

यदि आप लोग हमें जिताते हैं तो निश्चित रूप से मैं क्षेत्र का विकास, पानी की समस्या को सुधारने के लिए वचनबद्ध रहूंगा - अनिल श्रीवास्तव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रामनगर कटेसर स्थित जीत होम सोसाइटी में मेयर पद के प्रत्याशी अनिल कुमार श्रीवास्तव जनसंपर्क अभियान के तहत उपस्थित हुए जिनका स्वागत जीत रिवेरा के मैनेजिंग डायरेक्टर जीत कुमार सिन्हा द्वारा माला पहनाकर किया गया उसके पश्चात रविशंकर शर्मा वरिष्ठ समाजसेवी , बीबी सिंह ,लक्ष्मण सिंह , रविंद्र सिंह,अशोक सिंह द्वारा माला पहनाकर अनिल कुमार श्रीवास्तव का स्वागत किया गया` अनिल कुमार श्रीवास्तव के साथ संजीव सिंह एमएलसी प्रत्याशी ,अरुण शर्मा पूर्व सभासद,अंकित मिश्रा और पंकज पारेख उपस्थित रहे` अनिल कुमार श्रीवास्तव द्वारा क्षेत्र के विकास के संदर्भ में घोषणा किया गया बोले की यदि आप लोग हमें जिताते हैं तो निश्चित रूप से मैं क्षेत्र का विकास, पानी की समस्या को सुधारने के लिए वचनबद्ध रहूंगा।

शिक्षक व छात्रों ने कम से कम एक पेड़ लगाने और कूड़ा, कचरा कूड़ेदान में डालने व प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने का ली शपथ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विभा शर्मा जन सेवा ट्रस्ट एवं राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा से जुड़ी संस्था माय छोटा स्कूल द्वारा संचालित वी.एस किड्स प्ले स्कूल अशोकपुरम कॉलोनी मीरापुर बसही में कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया` नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित शपथ ली शिक्षक व छात्रों ने कम से कम एक पेड़ लगाने और देखभाल करने कूड़ा कचरा कूड़ेदान में डालने प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने का शपथ ली तथा बच्चों के नेचर को स्मार्ट करने के लिए बच्चों के द्वारा पौधे भी लगवाए गए तथा पौधों को जल देकर हरा भरा रखने का तरीका भी सिखाया गया` वी एस किड्स प्ले स्कूल के चेयरमैन श्यामधर शर्मा ने बताया कि इस प्रकार की एक्टिविटीज कराने का मात्र उद्देश्य यह है कि हमारे बच्चों के बीच पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता उनके नेचर में आए जिससे कि हमारा पर्यावरण साफ सुथरा एवं हरा भरा हो।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश की बैठक मनिहारी ब्लॉक में संपन्न

प्रखर गाजीपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तरप्रदेश की जनपद गाजीपुर इकाई अंतर्गत ब्लॉक मनिहारी इकाई में पूर्व प्रांतीय मंत्री लहजू सिंह कुशवाहा ,जिला महामंत्री रामाशीष शर्मा ,आरएसएस वाराणसी के राहुल सिन्हा ,जिला उपाध्यक्ष विपिन सिंह की उपस्थिति में प्राथमिक विद्यालय कटघरा पर मासिक बैठक संपन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता राणा जय सिंह ब्लॉक अध्यक्ष मनिहारी ने व संचालन राम प्रवेश सिंह ने किया। इस अवसर पर अन्य ब्लाकों से

शिक्षक भी मौजूद रहे। मनिहारी ब्लॉक से अरुण सिंह,वीरेंद्र सिंह,प्रदीप सिंह, बंटी कुमार,अजीत कुमार,राजकुमार चौबे,जितेंद्र बिंद,प्रवीण कुमार,संतोष यादव,ओमप्रकाश राम,रामानंद चौहान,रत्नाकर सिंह,निरंजन यादव, पतरू कुशवाहा,रामजतन राम,सुबास सिंह,गौरव सिंह,विनोद कुशवाहा,राजेश यादव,अंजू यादव, निरोज,रीता आदि शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बरेका में रेलकर्मी ने फांसी लगाकर दी जान

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। बरेका के एलएएस शॉप 05 में कार्यरत जय गोपाल ने अपने रेल आवास संख्या 218/बी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जय गोपाल मूल रूप से कुशीनगर के रहने वाले थे। यहां आवास संख्या 218 बी में रहते थे। इनकी पत्नी बच्चे के साथ कोटा में रहती है।आसपास के लोगो के अनुसार शुक्रवार की सुबह झाड़ू पोछा करने वाली महिला आई तो दरवाजा खटखटाया न खुलने पर वापस चली गई। शनिवार की सुबह पुनः आई तब भी दरवाजा नही खुला तो पड़ोसियों को सूचना दिया। पड़ोसियों ने आरपीएफ को व पुलिस को सूचना दी। मौके पर एसीपी रोहनिया विदूष सक्सेना व फोरेंसिक टीम ने पहुँच मामले की जांच की।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं